घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 107- सोमवार 16- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

महाशिवरात्रि...12 ज्योतिर्लिंग समेत सभी शिवालयों में दर्शन-पूजा हुई

महाकालेश्वर में 4 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे,रतलाम का गढ़ कैलाश मंदिर 11 लाख नोटों से सजा

नई दिल्ली,15 फरवरी 2026। देशभर में महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। 12 ज्योतिर्लिंग और शिव मंदिरों में आधी रात से ही दर्शन-पूजन करने के लिए भक्त पहुंचे। महाकालेश्वर मंदिर में 10 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। महाकाल मंदिर के पट रात 2.30 बजे से खुले हैं। शाम 5 बजे तक करीब 4 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके। 16 फरवरी को दोपहर 12 बजे साल में एक बार होने वाली भस्म आरती भी होगी। महाकाल का दूल्हे के रूप में शृंगार करने के लिए 3 क्विंटल फूल मंगाए गए हैं। 100 किलो आंकड़े के फूल,सवा लाख बेल पत्र, 200 किलो देसी फूल से बना 11 फुट का सेहरा बनाया जाएगा। मध्यप्रदेश के खंडवा में ओंकारेश्वर मंदिर को रात 3 बजे से दर्शन के लिए खोला गया है। यहां 24 घंटे तक लगातार दर्शन पूजन किया जाएगा। एमपी के रतलाम में बने गढ़ कैलाश महादेव मंदिर में 11 लाख रुपए के नोटों से भगवान का शृंगार और सजावट की गई है। 10 के सिक्कों से तोरण बनाए गए हैं। वहीं, काशी के विश्वनाथ मंदिर में रात 2:15 बजे मंगला आरती की गई। 3:30 बजे मंदिर दर्शन के लिए खुल गया। यहां रात से भक्तों की लंबी लाइन लगी है। झारखंड के देवघर में बाबाधाम मंदिर में शनिवार को पंचशूलों की विशेष पूजा हुई। मंदिर के शिखरों पर पंचशूलों की पुर्नस्थापना के बाद बाबा बैद्यनाथ-माता पार्वती का गठबंधन हुआ।

हिमाचल प्रदेशः कांगड़ा के बैजनाथ मंदिर में भक्तों की भीड़

महाशिवरात्रि के लिए बैजनाथ मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। भक्त भगवान शिव और देवी पार्वती के मिलन का जश्न बहुत खुशी और उत्साह के साथ मना रहे हैं।

ओडिशाः भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर में भक्तों की भीड़

ओडिशा में भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर, कटक के धबलेश्वर मंदिर, ढेंकनाल के कपिलाश मंदिर,भद्रक के अखंडलमनी मंदिर,बालासोर के चंदनेश्वर,संबलपुर के हुमा मंदिर,पुरी के लोकनाथ मंदिर,गजपति के महेंद्रगिरी,बोलनगीर के हरिशंकर मंदिर और कोरापुट जिले के गुप्तेश्वर में भक्तों की भारी भीड़ है।

मध्य प्रदेश : मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करने भक्तों की भीड़

मंदसौर का पशुपतिनाथ लोक इन दिनों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और परिसर की भव्यता व सुंदरता को निहार रहे हैं। सुसज्जित मार्ग,आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और धार्मिक वातावरण श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। दर्शन के साथ-साथ लोग यहां की कलात्मक संरचनाओं और आध्यात्मिक माहौल का आनंद ले रहे हैं। शाम के समय रोशनी से सजा पशुपतिनाथ लोक और भी मनमोहक दिखाई देता है।

यह बजट मजबूरी नहीं,'हम तैयार हैं'वाला पल : पीएम मोदी

कहा...38 देशों से एफटीए पर बातचीत जारी राजनीतिक स्थिरता से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली,15 फरवरी 2026। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इस साल का बजट देश के विकसित भारत बनने के लक्ष्य को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह बजट किसी मजबूरी में लिया गया फैसला या 'अभी नहीं तो कभी नहीं' जैसा पल नहीं, बल्कि 'हम तैयार हैं' वाला पल है,जो तैयारी और आत्मविश्वास से पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि आर्थिक ताकत और स्थिर नीतियों से भारत बेहतर शर्तों पर समझौते कर पा रहा है। भारत 38 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर काम कर रहा है। एफटीए का मकसद टेक्सटाइल, लेदर और अन्य सेक्टर्स के MSMEs को नए बाजार और निर्यात के अवसर देना है। इंटरव्यू में मोदी ने UPA के समय के आर्थिक मिसमैनेजमेंट की आलोचना की। उन्होंने कहा कि UPA राज में बातचीत शुरू होती थी और फिर टूट जाती थी। लंबी बातचीत के बावजूद कोई खास नतीजा नहीं निकला। सरकार देश की डिफेंस फोर्सेज को मजबूत बनाने के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेगी। डिफेंस बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण सरकार की जिम्मेदारी है। सुधार सरकार का कमिटमेंट है, जिसे उसने पूरी तरह से दिखाया है। आर्थिक बदलाव के अगले फेज के लिए प्राइवेट सेक्टर बहुत जरूरी है। मोदी नें कहा विकसित

भारत की अगली छलांग प्राइवेट सेक्टर द्वारा इनोवेशन,लॉन्ग-टर्म कैपेसिटी, ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस में बड़े इन्वेस्टमेंट पर निर्भर करेगी। जैसे-जैसे प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, प्राइवेट सेक्टर के मालिकों को अपने फायदे वर्कर्स के साथ सही तरीके से शेयर करने चाहिए। भारत दुनिया में एक डिजिटल लीडर है, जो यूपीआई प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों के लेन-देन के तरीके में बड़े सुधारों से मुमकिन हुआ है। डेटा सेंटर हमारे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर जॉब क्रिएटर होंगे। हम पूरी दुनिया का डेटा भारत में आने के लिए बुलाते हैं। भारत कंप्यूटिंग पावर और डेटा सेंटर इंफ्रा कैपेसिटी को बढ़ाकर एक बढ़ते AI इकोसिस्टम की नींव रख रहा है।

एआई इम्पैक्ट समिट दिल्ली में आज से 20 देशों के नेता व टेक लीडर्स होंगे शामिल

नई दिल्ली,15 फरवरी 2026। दिल्ली में होने जा रहे एआई इम्पैक्ट समिट में करीब 20 देशों के नेता और यूनाइटेड नेशंस चीफ के भाग लेने की उम्मीद है। कई टेक लीडर्स भी इस समिट में शामिल होने वाले हैं। यह समिट सोमवार से शुरू होकर शुक्रवार यानी 20 फरवरी तक चलेगी। यह पांच दिनों का इवेंट है, जो नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। इसे अब तक का सबसे बड़ा एडिशन बताया जा रहा है, यह चौथी सालाना ग्लोबल मीटिंग होगी जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी की तेजी से ग्रोथ से जुड़े रिस्क और अवसरों पर फोकस करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि यह समिट एआई के लिए आगे के रास्ते पर बातचीत करने के लिए दुनिया भर के ग्लोबल लीडर्स, पॉलिसीमेकर्स, इनोवेटर्स और एक्सपर्ट्स को एक साथ लाएगी। एआई इम्पैक्ट समिट में दुनियाभर के नेताओं को आमंत्रित किया गया है, जिनमें शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, क्राउन प्रिंस ऑफ अबू धाबी-यूएई,शेरिंग तोबगे,पीएम-भूटान,एडमंड लारा मोंटानो,वाइस प्रेसिडेंट-बोलीविया,लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा,प्रेसिडेंट-ब्राजील,आंद्रेज प्लेनकोविक, पीएम-क्रोएशिया,अलार करिस,राष्ट्रपति-एस्टोनिया, पेटेरी ओर्पो,पीएम-फिनलैंड, इमैनुएल मैक्रों, राष्ट्रपति-

फ्रांस,किरियाकोस मित्सोटाकिस, पीएम-ग्रीस, डॉ. भारत जगदेव, वाइस प्रेसिडेंट-गुयाना,ओल्जास बेक्टेनोव, पीएम-कजाकिस्तान, एलोइस, लिकटेंस्टीन की रियासत के वंशानुगत राजकुमार-लिकटेंस्टीन, डॉ. नवीनचंद्रामगुलाम,पीएम-मॉरिशस,अलेक्जेंडर वुसिक, राष्ट्रपति-सर्बिया,पीटर पेलेग्रिनी, राष्ट्रपति-स्लोवाकिया, पेड्रो सांचेज पेरेज-कास्टेजोन,राष्ट्रपति-स्पेन, अनुरा कुमारा डिसानायका,प्रेसिडेंट-श्रीलंका, सेबेस्टियन पिल्ले, वाइस प्रेसिडेंट-सेशेल्स, गाय परमेलिन, प्रेसिडेंट-स्विट्जरलैंड,डिक शूफ,पीएम-नीदरलैंड्स शामिल हैं। यूनाइटेड नेशंस के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस के साथ यूएन के दूसरे सीनियर अधिकारियों के भी नई दिल्ली में होने वाले इस अहम समिट में मौजूद रहने की उम्मीद है।

राहुल बोले...ट्रेड डील में किसानों के साथ धोखा हो रहा पीएम मोदी से 5 सवाल किए,शाह बोले...राहुल झूठ फैला रहे

नई दिल्ली,15 फरवरी 2026। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से पांच सवाल किए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस डील के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। गांधी ने कहा कि यह मुद्दा देश की कृषि के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने पीएम मोदी से सवाल करते हुए लिखा कि किसानों को जवाब तो मिलने ही चाहिए। यह सिर्फ आज की बात नहीं है। ये भविष्य की भी बात है। क्या हम किसी दूसरे देश को भारत की कृषि उद्योग पर लंबे समय की पकड़ बनाने दे रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्य पर पोस्ट 5 सवाल किए-

ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स इम्पोर्ट करने का क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय जानवरों को तरूअमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर अनाज (चारा) खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे डेयरी प्रोडक्ट प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?

अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे?

जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं, तो उसमें क्या-क्या शामिल है? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है?

गैर-व्यापार बाधाएं हटाने का क्या मतलब है? क्या भविष्य में भारत पर जीएम फसलों पर अपने रुख को ढीला करने, खरीद को कमजोर करने या एमएसपी और बोनस को कम करने का दबाव डाला जाएगा?

एक बार यह दरवाजा खुल गया तो हर साल इसे और ज्यादा खुलने से हम कैसे रोकेंगे? क्या इसकी रोकथाम होगी, या हर बार सौदे में धीरे-धीरे और भी फसलों को मेज पर रख दिया जाएगा?

शाह बोले...राहुल ट्रेड डील पर झूठ फैला रहे...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गांधीनगर में राहुल पर आरोप लगाया कि वे US, UK और EU के साथ भारत की ट्रेड डील को लेकर झूठ फैला रहे हैं और किसानों को गुमराह कर रहे हैं। शाह ने यह भी कहा कि राहुल कोई भी प्लेटफॉर्म चुन लीजिए। BJP युवा मोर्चा के प्रेसिडेंट भी आकर आपसे इस बात पर बहस कर सकते हैं कि किसने किसानों को नुकसान पहुंचाया है और किसने उनकी भलाई के लिए काम किया है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को मजाकिया बताते हुए कहा कि मोदी सरकार ने 2014 के बाद ऐसे किसी भी नियम को आगे नहीं बढ़ाया, जिससे किसानों को नुकसान हो। सरकार ने हर समझौते में कृषि और डेयरी सेक्टर के हित सुरक्षित रखे हैं। किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

पश्चिम बंगाल में कटवा स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में लगी आग बाहर से साजिश की आशंका

नई दिल्ली,15 फरवरी 2026। पश्चिम बंगाल में पूर्व बर्दवान जिले के कटवा रेलवे स्टेशन पर रविवार तड़के खड़ी अजिमगंज पैसेंजर ट्रेन के एक कोच में लगी भीषण आग लग गई। घटना रविवार सुबह करीब 4:30 बजे की है। प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर खड़ी 53435 अप अजिमगंज पैसेंजर ट्रेन सुबह 6 बजे रवाना होने वाली थी। अचानक एक कोच से धुआं निकलता दिखा और देखते-ही-देखते आग की लपटें पूरे कोच को चपेट में ले लिया। कोच पूरी तरह जलकर राख हो गया। राहत की बात यह रही कि उस समय कोच में कोई यात्री मौजूद नहीं था। रेलवे अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रेन पूरी तरह स्थिर थी और गतिहीन अवस्था में खड़ी थी। ऐसे में चलती ट्रेन में होने वाला शॉर्ट सर्किट यहां संभव नहीं लग रहा। जांच अधिकारियों को संकेत मिले हैं कि आग कोच के अंदर से नहीं,बल्कि बाहर से लगाई गई हो सकती है। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवराम माझी ने कहा कि ट्रेन प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी। आग लगने का कारण जानना बहुत जरूरी है। प्रारंभिक जांच से लगता है कि आग बाहर से लगाई गई हो सकती है। हालांकि अंतिम निष्कर्ष विस्तृत जांच के बाद ही आएगा। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंचकर जले हुए कोच, आग के फैलाव के पैटर्न और आसपास के सबूतों की वैज्ञानिक जांच करेगी। इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह दुर्घटना थी या सुनियोजित साजिश। वहीं,दूसरी ओर जांच में नया मोड़ सामने आ गया है। दमकल विभाग ने शुरुआत में शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण बताया था, लेकिन रेलवे की प्रारंभिक जांच ने इस दावे को कमजोर कर दिया है और अब आग बाहर से लगाए जाने की आशंका जोर पकड़ रही है। इस घटना ने कटवा स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि आग सचमुच बाहर से लगाई गई थी, तो इसे गंभीर सुरक्षा चूक माना जाएगा।

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे

उखीमठ/रुद्रप्रयाग,15 फरवरी 2026। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट इस वर्ष यात्रा के लिए 22 अप्रैल को वृष लग्न में प्रातः 8 बजे से श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसका निर्णय महाशिवरात्रि के दिन परंपरानुसार शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में एक बैठक में पंचांग गणना के उपरांत लिया गया। रविवार को ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में विद्वान आचार्यों,हक-हकूकधारियों तथा बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में केदारनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि और समय तय किया गया। परंपरा के अनुसार निर्धारित तिथि से पूर्व बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारपुरी के लिए प्रस्थान करेगी। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी के अनुसार पंचमुखी डोली के प्रस्थान से पूर्व 18 अप्रैल को उखीमठ में भैरवनाथजी की पूजा-अर्चना होगी। 19 अप्रैल को डोली उखीमठ से फाटा के लिए प्रस्थान करेगी, 20 अप्रैल को गौरीकुंड में रात्रि प्रवास तथा 21 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। इसके बाद 22 अप्रैल

को प्रातः 8 बजे विधि-विधान से कपाट खोले जाएंगे। इस यात्रा वर्ष केदारनाथ धाम में एम.टी. गंगाधर मुख्य पुजारी का दायित्व संभालेंगे। मदमहेश्वर धाम के लिए शिवशंकर लिंग ओंकारेश्वर मंदिर,उखीमठ में पूजा व्यवस्था देखेंगे, जबकि पुजारी बागेश लिंग अतिरिक्त व्यवस्था में रहेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर मुजफ्फरनगर निवासी अभिनव सुशील ने ओंकारेश्वर मंदिर को पुष्प सज्जा में सहयोग किया। इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने देश-विदेश के तीर्थयात्रियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए चारधाम यात्रा के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए समिति राज्य सरकार एवं प्रशासन के साथ समन्वय में कार्य कर रही है। मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि कपाट तिथि घोषित होते ही यात्रा तैयारियों को गति दी जा रही है तथा मंदिर समिति के कार्यालयों एवं विश्राम गृहों का निरीक्षण जारी है। यात्रा प्रबंधन को लेकर प्रशासन और मंदिर समिति ने तैयारियां तेज कर दी हैं। घोषणा कार्यक्रम में केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कपरवाण, मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल, मंदिर समिति सदस्य, धर्माचार्य, वेदपाठी, हक-हकूकधारी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

अनिल अंबानी ने कॉर्पोरेट वित्तपोषण में मांगी थी एपस्टीन से मदद,दस्तावेजों में हुआ खुलासा

नई दिल्ली,15 फ़रवरी 2026। अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा जारी दस्तावेजों के जखीरे में रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी और यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के बीच हुए पत्राचार का विस्तृत विवरण है। फरवरी 2017 से मई 2019 तक के इन पत्राचारों से व्यापार वित्तपोषण, रक्षा सौदों,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं और व्यक्तिगत मामलों पर हुई चर्चाओं का पता चलता है। ये बातचीत एपस्टीन पर जुलाई 2019 में यौन तस्करी के आरोप लगने से कुछ महीने पहले हुई थीं। दस्तावेजों के अनुसार, अनिल ने कॉर्पोरेट वित्तपोषण की व्यवस्था करने में एपस्टीन की मदद मांगी थी। 20 अप्रैल, 2019 को एक आईमैसेज में उन्होंने एपस्टीन को लिखा, 'बात

करेंगे। सहमति बन गई है। कॉर्पोरेट स्तर पर वित्तपोषण की व्यवस्था करने में आप कैसे मदद कर सकते हैं?' एपस्टीन ने अंबानी को वित्त विशेषज्ञों के साथ अपने घर पर रात्रिभोज के लिए भी आमंत्रित किया, हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि उनकी प्रतिष्ठा को लेकर चिंता हो सकती है। पत्राचार में रक्षा सौदों और निजी मामलों पर भी चर्चा हुई।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी,10 महीनों में 52,537 मेगावाट जुड़ी

नई दिल्ली,15 फ़रवरी 2026। देश में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 10 महीनों में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। इस वित्तवर्ष में अब तक का सबसे बड़ा इजाफा करते हुए बिजली उत्पादन 11 फीसदी से ज्यादा बढ़ोत्तरी हुई है। देश के कुल बिजली उत्पादन में 52,537 मेगावाट की बढ़ोत्तरी के साथ कुल बिजली उत्पादन 5,20,510.95 मेगावाट हो गया। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार,इस साल 31 जनवरी तक बढ़ी कुल क्षमता में 39,657 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से है। इसमें 34,955 मेगावाट सौर ऊर्जा और 4,613 मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि यह एक साल में अब तक की सबसे बड़ी क्षमता वृद्धि है। इससे पहले 2024-25 में 34,054 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई थी। देश की कुल स्थापित क्षमता में 2,48,541.62 मेगावाट जीवाश्म ईंधन आधारित है।

सीबीडीसी आधारित पीडीएस की शुरुआत कर अमित शाह ने कहा...बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म

नई दिल्ली,15 फ़रवरी 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरुआत की। साथ ही उन्होंने राशन बांटने वाली अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया।

इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से डिजिटल इंडिया का विस्तार अब राशन वितरण तक हो गया है। यह प्रणाली गरीबों को सस्ता अनाज देने की व्यवस्था को आधुनिक, सरल और पारदर्शी बनाएगी। गरीबों को मिलने वाले राशन में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से गरीबों को डिजिटल माध्यम से सीधे राशन मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भ्रष्टाचार कम हुआ,वैसे ही यह व्यवस्था राशन वितरण में पारदर्शिता लाएगी। गृह मंत्री ने'अन्नपूर्णा मशीन' का भी शुभारंभ किया। यह मशीन 35 सेकंड में 25 किलो अनाज वितरित कर सकती है। उन्होंने कहा कि इससे सही मात्रा और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। अमित शाह ने कहा कि अगले तीन से चार सालों में इस प्रणाली को पूरे देश में लागू किया जाएगा।

संपादकीय

कश्मीर घाटी में 35 वर्ष बाद भी बची हुई है विषबेल

मई 2022 में विशेष एनआईए अदालत में यासीन मलिक ने सभी आरोपों को कबूल किया, जिसमें आतंकवादी गतिविधियां, आपराधिक साजिश और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ना शामिल था। 25 मई, 2022 को पटियाला हाउस कोर्ट ने यासीन मलिक को आतंकवाद को आर्थिक मदद मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई, लेकिन वायुसैनिकों की हत्या का मामला अभी चल रहा है और उसमें यासीन को मृत्युदंड मिलना निश्चित है...

आ सी गच्छीए पनुनुय पाकिस्तान,बताव रोस्तुय बतेनियन सान (हमें अपना पाकिस्तान चाहिए। कश्मीरी पंडित पुरुषों के बिना,लेकिन कश्मीरी पंडित महिलाओं के साथ)। 20 वीं शताब्दी के अंतिम दशक में कश्मीर के मुसलमानों द्वारा सार्वजनिक पर्चों में की गई घोषणा।

मेरे पिता का देहांत हो गया है,हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उनकी अस्थियां (फूल) हरिद्वार में गंगा जी में प्रवाहित करने हमें जाना है। आपसे प्रार्थना है हमें हरिद्वार यात्रा की इजाजत दें-मोहन लाल टिक्कू।

उर्दू दैनिक श्रीनगर टाइम्स के 11 दिसंबर,1990 के अंक में छपा विज्ञापन जिसमें हिंदू परिवार इस्लामी जिहादियों से हरिद्वार जाने की अनुमति मांग रहा है। कश्मीरी पंडित कायर थे,दगा दे गए,जिन्होंने अपनी मर्जी से घाटी को छो ।। उनको कश्मीर में नौकरियां दीं गईं, फ्लैट दिए गए,लेकिन वे काम नहीं करते, जम्मू में ऐश कर रहे हैं-शोपियां से स्वतंत्र विधायक शबीर अहमद कुले का जनवरी 2026 में न्यूज 18 पर बयान। (विवाद बे ने पर बयान वापस लिया) पृथ्वी पर भारत एकमात्र देश है,जहां के देशभक्त नागरिकों को 'स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र' में राष्ट्रध्वज के प्रति वफादारी और धर्मनिष्ठा के कारण अंतहीन अत्याचारों का शिकार होना पड़ा। अपने ही देश में निर्वासन भोगना पड़ा। कश्मीरी हिंदू अपने घर,सेब के बगीचे,खेत,अखरोट और बादाम के पेड़,सब जस के तस छो कर आने पर मजबूर हुए।

कश्मीर के मुस्लिम नेता,उन हिंदुओं के मुस्लिम पड़ोसी, उनके मुस्लिम मित्र सब मुंह मो कर अपने ही रक्त बंधुओं और मां-बहनों को रोते-बिलखते जाते देखते रहे। किसी ने उनको रोका नहीं,किसी ने उनको बचाया नहीं।

गिरिजा टिक्कू जैसे अनेक लोमहर्षक उदाहरण कश्मीर की खूनी वादियों में बिखरे हुए हैं। वह पति के साथ कश्मीर के बांदीपोरा नगर में एक स्कूल में प्रयोगशाला सहायिका के नाते काम करती थी। जेकेएलएफ (जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) के कुख्यात मुखिया यासीन मलिक के 'काफिरों घाटी छोड़ो' ऐलान के बाद गिरिजा टिक्कू सपरिवार जम्मू आ गई। कुछ दिन बाद उसको श्रीनगर से किसी ने फोन किया कि हालात सुधर गए हैं, तुम आकर अपना वेतन ले जाओ। विश्वास कर वह अपने स्कूल गई।

वेतन लेकर अपनी मुस्लिम सहेली से मिलने आई और सोचा वहां से जम्मू वापस आ जाएगी। वहां उसकी सहेली और नागरिकों के सामने जेकेएलएफ के मुजाहिद गुंडों ने उसका अपहरण कर लिया। गिरिजा टिक्कू को इस्लामी दरिंदे अज्ञात स्थान पर ले गए, दुष्कर्म किया,कई दिन बाद जब उसका क्षत-विक्षत शव मिला तो पता चला उसको आरे से जिंदा काटा गया था। हजरतबल श्रीनगर इलाके से नर्स सरला भट्ट का अपहरण कर लिया गया।

उसके साथ कई दिन सामूहिक दुष्कर्म हुआ। बाद में सड़क किनारे उसका शव मिला। दोनों ही मामलों में किसी के आंसू नहीं बहे,किसी ने इनको मानवाधिकार हनन का मामला नहीं माना। हिंदुओं पर अत्याचार सामान्य और रोजमर्रा की बात मानकर संविधान, सरकार, चुनाव, राजनीतिक उठापटक के दौर चलते रहे। चलती रही पत्थरबाजी,हड़तालें, खूंखार हत्यारे यासीन मलिक की शानदार दिल्ली दावतें और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ उसकी मुलाकातें! 25 जनवरी,1998 (गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले)- कश्मीर के गांदरबल जिले के वंधमा गांव में इस्लामी आतंकवादियों ने एक हिंदू परिवार में भारतीय जवानों के वेश में आकर चाय पी और वायरलेस पर जब उनको बताया गया कि सब हिंदुओं को एकत्र कर लिया है तो उन सबको गोलियां मार दीं, जिनमें दो और चार साल के नन्हे बच्चे भी थे। इससे पहले कि पाठक कश्मीर के हिंदू नरसंहार को भूलें, उनको भारतीय वायुसेना के जांबाज अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रविंद्र कुमार खन्ना की शोकांतिका से परिचित कराना जरूरी है।

अमृतसर निवासी स्क्वाड्रन लीडर खन्ना 25 जनवरी, 1990 को श्रीनगर के पास रावलपुरा बस स्टैंड पर वायुसेना बस की प्रतीक्षा कर रहे थे। उनके साथ वायुसेना के अन्य चार कार्मिक भी थे। जेकेएलएफ के आतंकवादी यासीन मलिक के नेतृत्व में वहां पहुंचे और एके47 से वायुसैनिकों पर गोलियां चला दीं। इस भयानक हत्याकांड की कांग्रेस तथा मुफ्ती-अब्दुल्ला शासनों में गवाहियां तक नहीं हुईं। यासीन इस हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त होने के बावजूद दिल्ली आता रहा, प्रधानमंत्री से मिलता रहा।

पुलवामा हमले (14 फरवरी 2019) के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा अलगाववादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के तहत यासीन मलिक को 22 फरवरी 2019 को श्रीनगर में हिरासत में लिया गया। अप्रैल 2019 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 2017 के 'आतंकवाद को आर्थिक मदद' मामले में पूछताछ के लिए यासीन मलिक को गिरफ्तार किया और दिल्ली के तिहाड़ जेल ले आई।

मई 2022 में विशेष एनआईए अदालत में यासीन मलिक ने सभी आरोपों को कबूल किया, जिसमें आतंकवादी गतिविधियां,आपराधिक साजिश और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ना शामिल था। 25 मई, 2022 को पटियाला हाउस कोर्ट ने यासीन मलिक को आतंकवाद को आर्थिक मदद मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई, लेकिन वायुसैनिकों की हत्या का मामला अभी चल रहा है और उसमें यासीन को मृत्युदंड मिलना निश्चित है।

ढाका में आ रही है बदलाव की हवा

पियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

भारत के सामने नई कसौटी

बां ग्लादेश के हालिया आम चुनावों में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद राजनीति में लौटे तारिक रहमान ने अपनी माँ और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी को दो-तिहाई से अधिक सीटें दिलाईं। यह जीत न केवल एक चुनावी सफलता है,बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में सत्ता संतुलन के व्यापक पुनर्संयोजन और एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत का संकेत भी देती है। भारत के लिए यह परिणाम अवसरों के साथ-साथ कई रणनीतिक अनिश्चितताएँ भी लेकर आया है, जिनका प्रबंधन आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा।

पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता,आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण,विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक धारा के प्रभुत्व ने मतदाताओं में प्रशासनिक थकान और परिवर्तन की आकांक्षा को जन्म दिया। बीएनपी की जीत को इसी व्यापक जन-असंतोष और राजनीतिक विकल्प की तलाश के परिणाम के रूप में देखा जा सकता।

तारिक रहमान लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली, किंतु विवादास्पद चेहरा रहे हैं। निर्वासन काल के दौरान उन पर भ्रष्टाचार,सत्ता के दुरुपयोग और कट्टरपंथी तत्वों से संबंधों जैसे आरोप लगे,जिनके कारण उनकी छवि धूमिल हुई। हालांकि दिसंबर 2025 में लंदन से स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया,युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और जमीनी स्तर पर जन आंदोलन को पुनर्जीवित किया। निर्वासन काल के अनुभवों को उन्होंने राजनीतिक पूंजी में बदला और बीएनपी को चुनावी रूप से पुनर्स्थापित किया। इस संदर्भ में यह जीत केवल पारिवारिक विरासत का विस्तार नहीं, बल्कि रणनीतिक पुन संयोजन,संगठनात्मक अनुशासन और बदलते राजनीतिक यथार्थ को समझने की क्षमता की सफलता भी मानी जा रही है। बीएनपी ने 13 वें आम चुनावों में आर्थिक सुधार,भ्रष्टाचार उन्मूलन और अल्पसंख्यक सुरक्षा को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में प्रस्तुत किया। बेरोज़गारी,महँगाई और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया। पार्टी ने अपनी पारंपरिक कट्टरपंथी छवि से दूरी बनाने का प्रयास किया और हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह जनादेश इस बात को रेखांकित करता है कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व और प्रशास निक थकान के बाद मतदाताओं ने परिवर्तन को प्राथमिकता दी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता परिवर्तन ने यह भी संकेत दिया कि बांग्लादेशी समाज स्थिरता के साथ-साथ उत्तरदायी शासन की अपेक्षा रखता है।

भारत के दृष्टिकोण से बीएनपी की यह जीत मिश्रित संकेत देती है। ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध अवामी लीग सरकार के साथ अधिक सहज और स्थिर रहे हैं। सीमा प्रबंधन,आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शेख हसीना सरकार ने भारत के साथ घनिष्ठ तालमेल रखा। इसके विपरीत,बीएनपी को लेकर नई दिल्ली में हमेशा संदेह बना रहा है, विशेषकर 2001-06 के शासनकाल के अनुभवों के कारण। हालांकि हाल के वर्षों में तारिक रहमान ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। चुनावों से पहले भारत द्वारा बीएनपी को अनौपचारिक रूप से ग्रीन सिग्नल देना इसी बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह संकेत करता है कि भारत अब बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में किसी एक दल पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी संवाद की नीति अपनाने को तैयार है।

आर्थिक दृष्टि से बीएनपी सरकार भारत के लिए नए अवसर खोल सकती है। बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दक्षिण एशिया में भारत की'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का अहम स्तंभ भी है। नई सरकार के कार्यकाल में द्विपक्षीय व्यापार के 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। कनेक्टिविटी परियोजनाओं,जलविद्युत सहयोग,सीमा व्यापार,डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। बांग्लादेश की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारतीय निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है। अल्पसंख्यक हितों की रक्षा को लेकर बीएनपी की सार्वजनिक प्रतिबद्धता भारत की सामाजिक और राजनीतिक चिंताओं को कुछ हद तक कम करती है। इसके बावजूद,अनिश्चितताएँ बनी हुई हैं। बीएनपी पर कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों की भूमिका को लेकर सतर्कता आवश्यक है। तारिक रहमान पर लगे पुराने भ्रष्टाचार आरोप,पाकिस्तान के साथ कथित संबंध और हालिया सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ,तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवाद से जुड़े जोखिम भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती,तो द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित हो सकता है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है,बल्कि इसका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीति पर भी पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान क्षेत्र में अपने प्रभाव को लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत रखे,ताकि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के प्रतिकूल न जाए। बहुपक्षीय मंचों और उप-क्षेत्रीय सहयोग पहलों के माध्यम से संवाद और सहयोग को सुदृढ़ किया जा सकता है।ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए संतुलित और सक्रिय कूटनीति अपनाना अनिवार्य होगा। अवामी लीग के साथ पुराने संबंधों को बनाए रखते हुए बीएनपी सरकार के साथ संवाद स्थापित करना भारत के दीर्घकालिक हित में है। एकतरफा झुकाव के बजाय संस्थागत और बहुदलीय संपर्क भारत को अधिक रणनीतिक लचीलापन प्रदान करेगा। मानवाधिकार,अल्प संख्यक सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के मुद्दों पर भारत को न तो उपेक्षा करनी चाहिए और न ही अत्यधिक हस्तक्षेप करना चाहिए। विवेकपूर्ण संतुलन ही भारत की प्रभावशीलता को बनाए रख सकता है। तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की यह जीत भारत के लिए न तो पूरी तरह जोखिमपूर्ण है और न ही पूर्णतः अवसर-प्रधान। यह एक संक्रमणकालीन दौर है, जिसमें सतर्कता, संवाद और व्यावहारिक कूटनीति के माध्यम से भारत न केवल अपने हितों की रक्षा कर सकता है,बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों को एक नई और अधिक परिपक्व दिशा भी दे सकता है। यदि अनिश्चितताओं का प्रभावी प्रबंधन किया गया और सहयोग के क्षेत्रों को सुदृढ़ किया गया,तो यह राजनीतिक परिवर्तन न केवल द्विपक्षीय संबंधों को, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और सहयोग की संभावनाओं को भी सशक्त कर सकता है।

चुनाव के बाद चुप्पी : क्या राइट टू रिकॉल समय की मांग है?

सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सत्ता जनता के हाथों में निहित होती है और निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं। चुनाव इसी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं,जिनके द्वारा जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है। किंतु व्यवहार में यह आदर्श अक्सर कमजोर पड़ता दिखाई देता है। चुनाव से पहले नेता जनता के बीच सक्रिय रहते हैं, जनसभाएँ करते हैं,समस्याएँ सुनते हैं और बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जैसे ही चुनाव संपन्न होता है और सत्ता मिलती है, वही नेता जनता से दूर होते चले जाते हैं। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी बन जाती है कि जनता अपने ही प्रतिनिधियों से मिलने और अपनी बात रखने के लिए संघर्ष करती नजर आती है। यही वह विरोधाभास है जिसने राइट टू रिकॉल जैसे विचार को जन्म दिया है।

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के पास प्रतिनिधियों को नियंत्रित करने का एकमात्र प्रभावी साधन अगला चुनाव होता है, जो प्रायः पाँच वर्ष बाद आता है। यदि इस अवधि के दौरान कोई प्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाए,जनता की समस्याओं की अनदेखी करे या अपने चुनावी वादों से पूरी तरह मुकर जाए, तो जनता असहाय बनी रहती है। यह असहायता लोकतंत्र में निराशा और अविश्वास को जन्म देती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जिस जनता को प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है, क्या उसे प्रतिनिधि को हटाने का अधिकार नहीं होना चाहिए?

राइट टू रिकॉल इसी प्रश्न का उत्तर प्रस्तुत करता है। इसका तात्पर्य है कि यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करता, जनता के विश्वास को तोड़ता है या लगातार जनविरोधी कार्य करता है, तो जनता एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से उसे कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही पद से हटा सके। यह अवधारणा लोकतंत्र को केवल प्रतिनिधिक नहीं रहने देती, बल्कि उसे वास्तविक अर्थों में जवाबदेह बनाती है। इससे प्रतिनिधियों को यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि उनकी जिम्मेदारी चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे कार्यकाल में जनता के प्रति बनी रहती है। दुनिया के कई हिस्सों में इस विचार को व्यवहार में लाया गया है। उदाहरणस्वरूप,

स्विट्ज़रलैंड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की परंपरा मजबूत मानी जाती है, जहाँ नागरिकों की भूमिका केवल प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं रहती। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर पर रिकॉल चुनावों के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधियों को हटाने की व्यवस्था मौजूद है। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि राइट टू रिकॉल कोई अव्यावहारिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कार्यशील लोकतांत्रिक उपाय है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में जवाबदेही का प्रश्न और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ पंचायत स्तर पर कुछ राज्यों में सरपंच या स्थानीय प्रतिनिधियों को हटाने की सीमित व्यवस्थाएँ मौजूद हैं, किंतु विधायक और सांसद जैसे उच्च पदों के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। परिणामस्वरूप, कई बार जनता को पाँच वर्षों तक ऐसे प्रतिनिधियों को झेलना पड़ता है, जो न तो सदन में सक्रिय रहते हैं और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं।

भारत में राइट टू रिकॉल की मांग समय-समय पर उठती रही है। इसके समर्थकों का मानना है कि यह व्यवस्था नेताओं में निरंतर जवाबदेही का भाव पैदा करेगी। जब प्रतिनिधि को यह ज्ञात होगा कि जनता चाहे तो उसे पद से हटा सकती है, तब वह जनहित के मुद्दों को गंभीरता से लेगा। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, सत्ता के दुरुपयोग की प्रवृत्ति कम होगी और लोकतंत्र केवल औपचारिक न रहकर जीवंत बनेगा। इसके अतिरिक्त, यह अधिकार जनता को केवल मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में स्थापित करेगा।

हालाँकि इस अवधारणा के आलोचक भी कम नहीं हैं। उनका तर्क है कि राइट टू रिकॉल से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। बार-बार रिकॉल की कोशिशें सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि विपक्षी दल या प्रभावशाली हित समूह इस अधिकार का दुरुपयोग कर सकते हैं और जनभावनाओं को भड़काकर निर्वाचित सरकारों को गिराने का प्रयास कर सकते हैं। तात्कालिक असंतोष या अफवाहों के आधार पर लिया गया निर्णय दीर्घकालिक नीतियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

इन आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन इन्हें आधार बनाकर राइट टू रिकॉल की अवधारणा को पूरी तरह खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि इसे संतुलित और विवेकपूर्ण ढंग से लागू किया जाए। यदि रिकॉल प्रक्रिया शुरू करने के लिए मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन अनिवार्य किया जाए,कार्यकाल के शुरुआती और अंतिम चरणों में इस पर रोक लगाई जाए और पूरी प्रक्रिया स्वतंत्र तथा पारदर्शी संस्थाओं द्वारा संचालित हो, तो दुरुपयोग की संभावना काफी हद तक कम की जा सकती है।

लोकतंत्र कोई स्थिर व्यवस्था नहीं है; यह समय और समाज की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होता रहता है। जिस प्रकार सार्वभौमिक मताधिकार,सूचना का अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े सुधारों ने लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाया,उसी प्रकार राइट टू रिकॉल भी लोकतांत्रिक विकास की अगली कड़ी के रूप में देखा जा सकता है। आज जब जनता पहले से अधिक जागरूक है,सूचना तक उसकी पहुँच व्यापक है और वह अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है, तब लोकतंत्र में जवाबदेही के नए औजारों की मांग स्वाभाविक है।

अंततः राइट टू रिकॉल कोई चमत्कारी समाधान नहीं है, लेकिन यह उस समस्या को अवश्य संबोधित करता है जिसमें चुनाव के बाद जनता और नेता के बीच दूरी बढ़ जाती है। यह अवधारणा नेताओं को यह स्मरण कराती है कि सत्ता स्थायी अधिकार नहीं,बल्कि जनता की अमानत है। यदि इसे संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर,चरणबद्ध और संतुलित रूप में लागू किया जाए,तो यह लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी,उत्तरदायी और जनोन्मुखी बना सकती है। एक सशक्त लोकतंत्र वही होता है जहाँ जनता केवल वोट डालने तक सीमित न रहे,बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सत्ता को नियंत्रित करने की वास्तविक क्षमता भी रखे।

इंसान और वस्तु में अंतर होता है

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

इंसानों से ज्यादा आजकल लोगों को वस्तुओं से मोह हो गई है। कोई अनजान इंसान गिर गया हो तो उसे नजर अंदाज करते हैं,या फिर उन पर खूब हंसते हैं। पूछना तो दूर की बात, उठाते भी नहीं है और खुद का फोन गिर जाए तो ओ माय गॉड, क्या हो गया,ऐसा कहते हैं। क्या इंसान से जरूरी फोन होता है शायद होता होगा कुछ इंसानों के लिए तभी तो वो उस अनजान से इंसान को उठाए बिना आगे बढ़ जाते हैं। आज-कल खुद किसी इंसान को इग्नोर करें तो अच्छा लगता है लेकिन कोई आपको इग्नोर करें तो आपको बुरा लगता है। किसी कार्यक्रम के दौरन सम्मान में आपको मोमेंट,शाल,सर्टिफिकेट दिया जाए तो अच्छा लगता है वही सम्मान में आपके लिए कुछ शब्द कहा जाए तो आपको बुरा लगता है,समय बर्बाद लगता है। शायद सम्मान की भी तुलना अब वस्तुओं से करने लगे हैं लोग। राह चलते किसी जानवर के बच्चों को कुचल दें तो उसे इग्नोर करके आगे चले जाते हैं और वही किसी इंसान के बच्चे को चोट लग जाए तो मारपीट करते हैं। इंसान के हो या फिर जानवर के बच्चे, बच्चे तो बच्चे होते हैं ना। किसी जानवर को गलती से अगर ठोकर लग भी जाए तो उसकी इलाज करवानी चाहिए ना,लेकिन राह पर रहने वाले जानवर को लोग कुचल देते हैं वो छटपटा के मर जाते हैं लेकिन कोई उसे इलाज के लिए ले भी नहीं जाता क्या मानवता इस कदर मर रही है। वहीं अगर उनके बाइक को थोड़ी सी भी खरोच लग जाती है तो वो तुरंत जाकर उस खरोच का निवारण करते हैं और अपनी बाइक को पहले की तरह बनवा लेते हैं। क्या किसी जानवर की जान से ज्यादा कीमती उनके लिए बाइक होता है क्या ? शायद होता होगा कुछ लोगों के लिए। वही प्रतिभाओं के धनी वरिष्ठ रंगकर्मी, साहित्यकर्मी, नाट्यकर्मी जब नवोदित युवाओं के प्रतिभाओं को पहचानते हुए भी मंच प्रदान नहीं करते हैं। तब नवोदित कलाकार की प्रतिभा वही दम तोड़ देती है क्योंकि किसी भी कलाकार को आगे बढ़ाने के लिए अपने वरिष्ठ के आशीर्वाद की जरूरत होती है लेकिन आजकल वरिष्ठ अपनी राजनीति में नवोदित को फँसा के बर्बाद कर देते हैं सिर्फ - सिर्फ अपनी पद की चाहत में, सम्मान की चाहत में। किसी को आगे बढ़ने से ज्यादा कीमती अपना पद होता है क्या ? शायद होता होगा कुछ इंसानों के लिए। मनुष्य अब वस्तुओं की चाहत में इंसानों के मोल को भूल रहे है तभी तो एक घर में पांच सदस्य के पांच मोबाइल और पांचो इस मोबाइल के सहारे जी रहे हैं। वो भी उस फोन से किसी और से बात ही कर रहे हैं लेकिन अपने घर के सदस्य से बात करने में उन्हें कोई रुचि नहीं है। एक छत के नीचे 5 सदस्य 5 फोन और पाँचों किसी और से बात कर रहे हैं,आपस में कोई मिलजुल नहीं, आपस में कोई बातचीत नहीं शायद उन्हें वस्तुओं की इतनी चाहत हो गई है कि बिना मोबाइल के अपने जीवन को जी भी नहीं पा रहे हैं, लगता है कि अब ऑक्सीजन जैसा हो गया है यह मोबाइल। लोग जैसे ऑक्सीजन के बिना जी नहीं सकते शायद अब मोबाइल के बिना भी नहीं जी पाएंगे। इसमें सबसे मुख्य रोल में यह सोशल मीडिया है जिसके बिना लोग एक कदम आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, कहीं थम से गए हैं, कहीं रुक से गए हैं इसलिए लोग बहुत कम उम्र में जल्दी मर जाते हैं क्योंकि उन्हें फोन की ऐसी लत लग गई है कि वो कोई भी फिजिकल एक्टिविटी करना चाहते ही नहीं वो घर से बाहर ही नहीं निकालना चाहते। वो घर के अंदर फोन से रील्स शॉट देखते हैं, बनाते हैं और जब उनसे फोन छोड़ने के लिए कहा जाता है तो गुस्सा करने लगते हैं। आज का युवा सोशल मीडिया के कारण कमजोर हो रहा है अब वो मिट्टी में खेलने वाला युवा नहीं बनना चाहता है बल्कि वो अब बंद कमरे में रहने वाला रिल्स वाला युवा बनना चाहता है इसलिए आप सभी से निवेदन है कि वस्तुओं और इंसानों में अंतर समझे। इंसान के साथ जब आप रहिएगा तब आपका दिमाग ज्यादा डेवलप करेगा। आप हर एक एक्टिविटी में ज्यादा रुचि लेंगे और जब तक आप मोबाइल के साथ रहेंगे आपका दिमाग जरूर डेवलप करेगा लेकिन आप हर एक्टिविटी को वैसे नहीं कर पाएंगे जैसा आपको करना चाहिए इसलिए लोगों के बीच रहे, लोगों के साथ समय बताएं और लोगों के महत्व को समझे।।

पाइपलाइन में पड़ा स्वर्ग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

शहर के पास वाले उस ढाबे पर,जहाँ चाय कम और धूल ज़्यादा मिलती है,मेरी भेंट एक डिजिटल स्वामी से हो गई। स्वामी जी ऐसे थे कि अगर उन्हें किसी मल्टीनेशनल कंपनी के बोर्डरूम में बैठा दिया जाए,तो वे वहाँ भी परमपिता की कृपा का प्रेजेंटेशन पावर-प्वाइंट पर दे दें। बदन पर मलमल का कुर्ता, गले में रुद्राक्ष की ऐसी माला जिसे देखकर किसी भी जौहरी का ईमान डोल जाए,और बगल में एक आईपैड, जिस पर वे निरंतर स्टॉक मार्केट और अध्यात्म का संतुलन बिठा रहे थे।मैंने पूछा, स्वामी जी, यह झोला और लैपटॉप लेकर किस महाकुंभ की ओर प्रस्थान हो रहा है?

स्वामी जी ने एक ऐसी रहस्यमयी मुस्कान फेंकी,जो केवल उन लोगों के पास होती है जिनके पास स्विस बैंक का खाता और मोक्ष का नक्शा, दोनों साथ होते हैं। बोले, बच्चा,हम स्मार्ट विलेज का शिलान्यास करने जा रहे हैं। गाँव की मिट्टी को सिलिकॉन वैली बनाना है।

मैंने चाय का घूँट भरा–जिसमें चीनी इतनी थी कि मधुमेह को भी शर्म आ जाए। पूछा,महाराज,गाँव में तो बिजली आठ घंटे रहती है और सड़कें ऐसी हैं कि आदमी चलते-चलते ही योग की कठिन मुद्राएं सीख जाए। वहाँ आप स्मार्टनेस का कौन सा इत्र छिड़केंगे?

स्वामी जी ने आईपैड पर एक ग्राफ दिखाया। यही तो तुम्हारी अज्ञानता है। हम गाँव वालों को यह नहीं सिखाएंगे कि खेती कैसे करें, हम उन्हें यह सिखाएंगे कि खेती को इवेंट कैसे बनाएं। हम वहाँ एक ऐसा आश्रम बना रहे हैं जहाँ शहर के अमीर लोग आकर गरीबी का अनुभव करेंगे। वे देखेंगे कि गोबर कैसे थापा जाता है और फिर उसकी सेल्फी लेकर इंस्टाग्राम पर मिट्टी की सौंधी खुशबू लिखेंगे। इसे ही हम ग्रामीण पुनरुद्धार कहते हैं।मैंने कहा, पर महाराज,गाँव का असली किसान तो कर्ज में दबा है,उसे तो खाद और बीज चाहिए।स्वामी जी हँसे,जैसे किसी ने उनसे कह दिया हो कि कद्दू के पेड़ पर आम लगते हैं। बोले,बच्चा,किसान को खाद मिल गई तो वह आत्मनिर्भर हो जाएगा, फिर हमारे प्रवचनों में भीड़ कौन लगाएगा? हमें उसे संतोष सिखाना है। हम उसे समझाते हैं कि साईं इतना दीजिए जामे कुटुंब समाए। जब उसके पास कम होगा, तभी तो वह चमत्कार की उम्मीद में हमारे पास आएगा। और रही बात खाद की, तो हमने योजना बनाई है कि गाँव के पास एक बड़ा गोल्फ कोर्स बनाएंगे। वहाँ की घास को पवित्र घास घोषित कर देंगे, जिसे उगाने के लिए किसान मुफ्त में श्रम करेगा। इसे हम श्रमदान का नाम देंगे।

मैंने कहा, वाह! यानी आम के आम और गुठलियों के दाम। पर स्वामी जी, आप तो खुद गाँव में रुकेंगे नहीं, आपकी काया तो एसी की आदी लगती है?

स्वामी जी ने एक डकार ली, जो सीधे देसी घी के पराठों की गवाही दे रही थी। बच्चा, शरीर तो नश्वर है,पर इसे ठंडा रखना आत्मा का कर्तव्य है। हम शहर में रहकर गाँव का विजन तैयार करते हैं। देखो, विकास का सबसे बड़ा नियम यह है कि वह कभी ज़मीन पर नहीं दिखना चाहिए। अगर विकास दिख गया, तो वह खत्म हो गया। उसे हमेशा पाइपलाइन में रहना चाहिए। जैसे हमारे यहाँ की सरकारी फाइलें–चलती रहती हैं, पहुँचती कभी नहीं।मैंने पूछा, और इन सबमें धर्म का क्या योगदान होगा?

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

मैनपाट महोत्सव 2026 : जनसहभागिता, खेल रोमांच और पर्यटन संवर्धन का भव्य संगम

दंगल,बोटिंग और संस्कृति के उत्सव ने पर्यटकों को किया आकर्षित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
प्राकृतिक सौंदर्य और शीतल वादियों के लिए प्रसिद्ध मैनपाट में आयोजित मैनपाट महोत्सव 2026 इस वर्ष व्यापक जनसहभागिता, उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और विविध गतिविधियों के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक,खिलाड़ी एवं स्थानीय नागरिक महोत्सव में शामिल होकर इसका भरपूर आनंद ले रहे हैं। महोत्सव में पहुंचे आगंतुकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए आयोजन की भव्यता और जिला प्रशासन द्वारा की गई सुदृढ़ व्यवस्थाओं की सराहना की। रोहित कुमार ने कहा कि महोत्सव का वातावरण अत्यंत उत्सवमय और आकर्षक है। ग्राम पंचायत पिंडरा के नरेश कुमार ने आयोजन को पूर्व वर्षों की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित बताते हुए कहा कि मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों के लिए विशेष आकर्षण बने हुए हैं। स्थानीय निवासी अंकित गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े आयोजन से क्षेत्र की पहचान को नई मजबूती मिली है। असगवां निवासी सोनसाय ने बताया कि पिछले वर्ष मेला आयोजित नहीं हो पाया था,किंतु इस वर्ष महोत्सव का अत्यंत शानदार आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है और माहौल में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

दंगल प्रतियोगिता बनी मुख्य आकर्षण

महोत्सव में आयोजित दंगल प्रतियोगिता ने खेल प्रेमियों के बीच विशेष उत्साह पैदा किया है। दुर्ग जिले से पहुंचे दंगल पहलवान सतेंद्र निषाद ने कहा कि शहरों की तुलना में मैनपाट का प्राकृतिक वातावरण और शुद्ध ऑक्सीजन विशेष रूप से आकर्षित करता है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं को सराहनीय बताया। दुर्ग की ग्रेसी पटेल एवं संतोषी चंद्राकर,जिन्होंने दंगल प्रतियोगिता में भाग लिया,उन्होंने ने आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक बताया। जशपुर जिले की रामेश्वरी ने कहा कि मैनपाट पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध स्थल है और इस वर्ष महोत्सव ने यहां की पहचान को और सुदृढ़ किया है।

अन्य राज्यों से भी पहुंच रहे पर्यटक

पश्चिम बंगाल से पहली बार मैनपाट पहुंचे संजय घेठियाल ने कहा कि यहां मनोरंजन और रोमांच का अनूठा संगम देखने को मिला। बोटिंग,दंगल और मेले की आकर्षक व्यवस्थाओं ने महोत्सव को विशेष बना दिया है। लता मलार्ज ने भी शासन-प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए आयोजन को यादगार बताया।

मेला,बोटिंग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आकर्षण

महोत्सव स्थल पर सजा भव्य मेला लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है,जहां देर शाम तक भारी भीड़ देखी जा रही है। स्थानीय उत्पादों, व्यंजनों और हस्तशिल्प की स्टॉलों पर लोगों की विशेष रुचि रही। पर्यटकों ने बोटिंग का आनंद लेते हुए प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव किया। वहीं दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए दर्शकों में विशेष उत्साह एवं होड़ देखी गई। मैनपाट महोत्सव 2026 कि सुव्यवस्थित योजना,प्रभावी प्रबंधन और जनसहभागिता के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत, खेल प्रतिभाओं और पर्यटन को एक साथ प्रोत्साहित किया है। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का मंच है,बल्कि क्षेत्रीय विकास और सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम भी बना है।

पहलवानों ने जीत के लिए लगाया दमखम,विजेता हुए पुरस्कृत

मैनपाट महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को दंगल प्रतियोगिता का फैसला हुआ। पहलवानों ने जीत के लिए दमखम दिखाया,महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में कड़े मुकाबले के बाद विजेताओं का फैसला हुआ। छत्तीसगढ़ केशरी पुरूष वर्ग दंगल में 80 किग्रा से अधिक की श्रेणी में विजेंद्र पाल सिंह जीते, उपविजेता पहलवान सतपाल रहे। विजेता को 11 हजार रुपए और उपविजेता को 5100 रुपए की राशि से पुरस्कृत किया गया। छत्तीसगढ़ कुमार 80 किग्रा से कम श्रेणी में पवन जीते, उपविजेता मनीष यादव रहे। इस श्रेणी में विजेता को 5100 रुपए और उपविजेता को 2100 रुपए की राशि से पुरस्कृत किया गया। इसी तरह महिला वर्ग 60 किग्रा से अधिक रानी लक्ष्मीबाई श्रेणी में संतोषी विजेता और आरती पाण्डेय उपविजेता रही। इस श्रेणी में विजेता को 5100 रुपए और उपविजेता को 2100 की राशि से पुरस्कृत किया गया। छत्तीसगढ़ दुर्गावती श्रेणी 60 किग्रा से कम में ग्रेसी पटेल जीती और दूसरे स्थान पर अंजली पाण्डेय रही।

अंबिकापुर में चोरों का आतंक, सूने मकानों को बना रहे निशाना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत वसुंधरा विहार और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने सूने मकानों को निशाना बनाकर दहशत फैला दी है। वसुंधरा विहार कॉलोनी में चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और घरेलू सामान पर हाथ साफ कर दिया। वहीं हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी तीन से चार मकानों में ताले तोड़ने की घटनाएं सामने आई हैं। जानकारी के अनुसार कॉलोनी निवासी निशान हैदर 12 फरवरी को परिवार सहित बिलासपुर गए थे। 15 फरवरी की सुबह लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा टूटा मिला। अलमारी के ताले भी टूटे हुए थे। चोर हार, अंगूठियां, झुमके, मांग टीका, नथिया, चांदी की पाजेब सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। पीड़ित ने गांधीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सरगवां स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी बीते दिनों चोरी की घटनाएं हुई हैं। दो ईडब्ल्यूएस मकानों में ताले तोड़े गए, जबकि एक एलआईजी मकान से नकदी और सोने की चेन चोरी होने की पुष्टि हुई है। लगातार घटनाओं से कॉलोनीवासियों में भय का माहौल है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना व्यापारी सम्मेलन में हुआ सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
चोरी की घटनाओं के बीच सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यशैली की सराहना भी सामने आई है। होटल पर्पल ऑर्किड में आयोजित व्यापारी संवाद सम्मेलन के दौरान पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने थाना कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम को सम्मानित किया। मंत्री ने 20 लाख रुपये की लूट के मामले का चंद घंटों में खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी को सराहनीय बताया और पुलिसकर्मियों को शाल पहनाकर सम्मानित किया। सम्मानित टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा सहित कुल 12 पुलिसकर्मी शामिल रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में वजन त्यौहार बड़ी उत्साह के साथ मनाया

-संवाददाता-
लखनपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
नगर पंचायत लखनपुर के केवटा पारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में वजन त्यौहार बड़ी उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य 0 से 6 वर्ष के बच्चों के पोषण स्तर की जांच करना,कुपोषण की पहचान करना और अभिभावकों में जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू, वार्ड पार्षद श्रीमती उर्मिला खलखो, सुपरवाइजर श्रीमती पार्वती देवी सिंह,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती प्रभावती दास,जुगनू मनी तिर्की,कौशल्या साहू, सहायिका कोयला सो,महंत कुंती यादव,मितानी पार्वती पांडे तथा स्थानीय ग्रामीण दिनेश खलखो एवं अन्य अभिभावक उपस्थित रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय,उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

महाशिवरात्रि पर अंबिकापुर सहित जिलेभर में भक्ति का उत्सव,मंदिरों में रहा मेले जैसा माहौल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
महाशिवरात्रि का पर्व रविवार को पूरे जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। शिवालयों में दिनभर हर-हर महादेव और बोलबम के जयकारे गूंजते रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। महाशिवरात्रि के अवसर पर सुबह से ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने जल, दूध,शहद, घी, बेलपत्र और पुष्प अर्पित कर शिवलिंग का अभिषेक किया। शहर के शंकरघाट स्थित शिव मंदिर में विशेष रूप से मेले जैसा वातावरण रहा, जहां सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। इसके अलावा पुलिस लाइन स्थित शिव-गौरी मंदिर,शिव शक्ति मंदिर (स्टेडियम परिसर), महाकालेश्वर मंदिर (नवापारा), नामनाकला पावर हाउस शिव मंदिर सहित शहर के विभिन्न मोहल्लों में स्थित शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

पूरे दिन चला भंडारे का आयोजन : महाशिवरात्रि को लेकर मंदिर समितियों एवं पूजा समितियों द्वारा पूर्व से ही तैयारियां की गई थीं। आयोजन स्थलों पर समिति सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभालीं।शहर में जगह-जगह भंडारे आयोजित किए गए, जहां श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शिवालयों में भजन-कीर्तन और भोलेनाथ के भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शंकरघाट में विशाल भंडारे का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

46 साल पुरानी परंपरा के तहत निकली भगवान शिव की भव्य बारात

महाशिवरात्रि पर प्रतापपुर रोड स्थित सहेली गली से भगवान शिव की भव्य बारात निकाली गई। यह परंपरा पिछले 46 वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन वाद्ययंत्रों और अलग-अलग टोलियों के साथ बाराती नाचते-झूमते नगर भ्रमण पर निकले। बारात का जगह-जगह स्वागत किया गया। शाम को बारात पुलिस लाइन स्थित गौरी मंदिर पहुंची, जहां भगवान शिव एवं माता पार्वती का विवाह विधिवत संपन्न हुआ। सोमवार को केदारपुर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में महाआरती के बाद शाम 7 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन भी रखा गया है। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में मंडली अध्यक्ष राम परीखा पांडेय,भोलानाथ विश्वकर्मा,संजय कुमार मिश्रा, किशोर प्रसाद गुप्ता, प्रमोद मिश्रा, हरिगोविंद गुप्ता सहित अन्य सदस्य एवं मोहल्लेवासियों का सहयोग रहा।

रेडियो किसान दिवस पर किसानों का हुआ सम्मान, 'किसानवाणी' ने 22 साल पूरे किए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
आकाशवाणी अंबिकापुर परिसर में रविवार को रेडियो किसान दिवस उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। यह आयोजन कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम किसानवाणी की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 15 फरवरी 2004 को हुई थी। इसका उद्देश्य रेडियो के माध्यम से किसानों तक नवीन कृषि तकनीक, नवाचार, पशुपालन,उद्यानिकी,मूल्य संवर्धन तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। इस पहल ने किसानों और विशेषज्ञों के बीच संवाद को मजबूत किया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में कृषि स्थायी समिति की सभापति दिव्या सिसोदिया मौजूद रहीं। विशिष्ट अतिथियों में कृषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ डॉ. संतोष सिंह,डॉ. के.एल.पैंकरा,डॉ. संदीप शर्मा, डॉ. सी.के. मिश्रा, डॉ. प्रशांत शर्मा सहित कई प्रगतिशील किसान शामिल हुए। आकाशवाणी अंबिकापुर के सहायक निदेशक कार्यक्रम प्रमेंद्र कुमार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

उत्कृष्ट किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों में कल्पना घोष, गोविंद विश्वास,गजाला परवीन,अनिमा खेस, शांति देवी राजवाड़े, निर्मला बड़ा, हर्षित शुक्ला, नीलाभ शर्मा,अमितेज सिंह और संजय गुप्ता शामिल रहे। इसके अलावा ग्राम डुमकी, अमड़ी, सिलफिली और छेरमुंडा के कई किसानों को भी सम्मानित किया गया।

किसान समाज और अर्थव्यवस्था की धुरी

अतिथियों ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। रेडियो किसान दिवस जैसे आयोजन किसानों में ज्ञान-विस्तार,नवाचार अपनाने और सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। वक्ताओं ने किसानवाणी कार्यक्रम को कृषि ज्ञान प्रसार का सशक्त माध्यम बताते हुए इसके विस्तार पर जोर दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाई कार्यक्रम की शोभा

कार्यक्रम का संचालन प्रशांत खेमरिया ने हिंदी तथा अनंगपाल दीक्षित ने सरगुजिहा बोली में किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अंजनी पांडेय और देवेंद्र दास सोनवानी ने गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सामूहिक गीत प्रस्तुति में आकाशवाणी के कलाकारों ने भाग लिया।

खेती में नवाचार और आत्मनिर्भरता पर दिया संदेश

जनप्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों ने किसानों से आधुनिक तकनीकों के साथ कृषि आधारित उद्यमों की संभावनाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाला समय कृषि व्यवसाय का है और किसानों को नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम ने किसानों, वैज्ञानिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद को मजबूत करते हुए कृषि विकास के नए अवसरों को रेखांकित किया।

भाजपा सरगुजा में अल्पसंख्यक मोर्चा की नई टीम की घोषणा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रेमानन्द तिग्गा द्वारा अल्पसंख्यक मोर्चा की नवीन जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जिसमें अल्पसंख्यक मोर्चा जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष,जिला कार्यसमिति सदस्य एवं स्थायी आमंत्रित सदस्यों के नाम शामिल हैं। भारत सिंह सिसोदिया ने नव नियुक्त सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा है कि हमें पूर्ण विश्वास है कि नव नियुक्त सभी पदाधिकारी एवं सदस्य संगठन की रीति-नीति एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प को और अधिक सशक्त करेंगे। भाजपा सरगुजा परिवार को इनसे नई ऊर्जा, समर्पण और संगठन विस्तार की अपेक्षा है।

लक्ष्मी राजवाड़े गृह ग्राम बीरपुर में नवनिर्मित शिव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में शामिल

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
लक्ष्मी राजवाड़े, मंत्री एवं भटगांव विधायक, अपने गृह ग्राम बीरपुर में नवनिर्मित शिव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुईं, उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत प्रातः राम मंदिर, पासंग नाला से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालु महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर पूरे उत्साह और भक्ति भाव से यात्रा में भाग लिया, यह यात्रा शिव मंदिर परिसर तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। मंदिर परिसर में आचार्यों द्वारा वैदिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई, कार्यक्रम के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया, रात्रि में भजन-कीर्तन के माध्यम से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

CMYK

महाशिवरात्रि में 'महामिलन': कथा के मंच पर पिघली राजनीति,कार्यकर्ता हुए भ्रमित!

महाशिवरात्रि में सियासी मिलनः मंच पर गले मिले,मैदान में भिड़ेंगे?

- कथा के मंच पर सत्ता-विपक्ष का महामिलन, कार्यकर्ता हुए मौन
- जब शिव ने कराया सियासी समन्वयःविरोधी एक ही पंडाल में...
- राजनीति ने ओढ़ी भक्ति की चादर,विरोध हुआ शीतल...मंच पर नम्रता, मंच से बाहर तीखेपन का क्या?
- पैर छूती राजनीति और देखती जनता...जहाँ बयान थमे, वहाँ गले मिले नेता...
- कथा में श्रद्धा,प्रेम में सियासी समीकरण...शिव महापुराण के बीच सियासी'महामिलन' की कथा'

-संवाददाता-
कोरिया,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

महाशिवरात्रि का दिन, स्थान- सोनहत, अवसर -शिवमहापुराण कथा,आयोजन-भरतपुर-सोनहत की विधायक रेणुका सिंह द्वारा, लेकिन यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं था,यह वह दिन था जब राजनीति ने भगवा चादर ओढ़ ली, बयानबाजी ने मौन व्रत रख लिया और सत्ता-विपक्ष ने मंच साझा कर ऐसा दृश्य रचा कि कार्यकर्ताओं की विचारधारा कुछ देर के लिए 'हैंग' हो गई।

कथा कम, कथानक ज्यादा

शिव महापुराण की कथा चल रही थी, मंच पर भक्ति का माहौल था,पर दर्शकों की नजरें कहीं और टिकी थीं,स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल पहुंचे, पूर्व विधायक गुलाब कमरो भी आए,नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत और उनकी धर्मपत्नी सांसद ज्योत्सना महंत भी उपस्थित रहीं,अब सामान्य राजनीतिक कैलेंडर में ये नाम एक ही वाक्य में कम ही मिलते हैं–पर उस दिन ये एक ही मंच पर,एक ही पंडाल में, एक ही कैमरे के फ्रेम में थे।

पैर छूने की राजनीति-दृश्य कुछ यूँ था...

मंत्री हाथ जोड़कर झुके, नेता प्रतिपक्ष ने मुस्कुराकर अभिवादन स्वीकार किया, विपक्ष की सांसद और सत्ता की विधायक गले मिले,पूर्व विधायक पास खड़े होकर चर्चा करते दिखे,कार्यकर्ता दूर से देख रहे थे–वही कार्यकर्ता जो कल तक सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की पोस्ट पर तर्कों की तलवारें चला रहे थे, शायद कुछ के मन में सवाल उठा होगा। 'हम तो फेसबुक पर युद्ध लड़ रहे थे... और यहां हमारे नेता 'महामिलन' कर रहे हैं? '

शिव की कृपा या सियासी गणित?

महाशिवरात्रि का दिन विरोधों के समन्वय का प्रतीक माना जाता है, शिव स्वयं विरोधाभासों के देव हैं–भस्म भी,चंदन भी; संहार भी,सृजन भी,तो क्या उसी भाव में सत्ता और विपक्ष ने भी अपने मतभेदों पर कुछ देर के लिए भस्म लगा दी? या यह आगामी राजनीतिक समीकरणों का ट्रेलर था? राजनीति में हर मुस्कान का विश्लेषण होता है,हर हाथ मिलाने का अर्थ निकाला जाता है,यहां तो गले भी मिले गए–इसलिए चर्चाओं के फुहारे स्वाभाविक हैं।

कार्यकर्ताओं के लिए 'सॉफ्टवेयर अपडेट'

सबसे दिलचस्प स्थिति उन जमीनी कार्यकर्ताओं की रही जो वर्षों से 'हम बनाम वो' की भावना में तपस्या कर रहे हैं, जब उनके नेता एक-दूसरे को सम्मान देते दिखे तो विचारधारा का हार्डवेयर कुछ देर के लिए रिस्टार्ट मांगने लगा,सवाल उठे—अगर मंच पर संवाद संभव है तो मैदान में इतना तनाव क्यों? अगर व्यक्तिगत संबंध इतने मधुर हैं तो बयान इतने कड़वे क्यों?

धर्मस्थलः राजनीति का न्यूट्रल जोन

धार्मिक आयोजन अक्सर राजनीति के लिए 'न्यूट्रल ज़ोन' बन जाते हैं, यहां न भाषण में तीखापन होता है,न मंच से आरोप-प्रत्यारोप,यह वह जगह है जहां नेता प्रतिद्वंद्वी नहीं,श्रद्धालु बन जाते हैं, और शायद यही वह क्षण होता है जब जनता नेताओं का दूसरा चेहरा देखती है कम आक्रामक,ज्यादा विनम्र।

जनता की स्मृति तेज होती है

जनता सब देखती है, वह मंच पर झुकते हाथ भी देखती है और चुनावी मंच से उठती उंगली भी, वह जानती है कि राजनीति प्रतिस्पर्धा का खेल है, पर यह भी समझती है कि व्यक्तिगत रिश्ते अलग होते हैं, इस आयोजन ने यही संदेश छोड़ा दल अलग हो सकते हैं, पर संवाद की डोर पूरी तरह टूटती नहीं।

कथा से बड़ा संदेश

शिव महापुराण की कथा तो चलती रही, श्लोक गूंजते रहे,पर असली चर्चा पंडाल के बाहर चाय की दुकानों पर हुई, 'देखा, कैसे गले मिले?''मंत्री जी तो खुद झुक गए!''लगता है राजनीति बदल रही है...' शायद राजनीति नहीं बदली, बस उसका मानवीय पक्ष सामने आया, महाशिवरात्रि के इस 'महामिलन' ने यह जरूर दिखा दिया कि विचारधाराएं टकरा सकती हैं,पर संबंध हमेशा शत्रुता में नहीं बदलते,और कार्यकर्ताओं के लिए संदेश साफ है नेताओं की तस्वीरें कभी-कभी आपकी बहसों से बड़ी हो जाती हैं,कथा समाप्त हुई,प्रसाद बंटा, भीड़ छंटी...पर यह दृश्य अब भी लोगों की बातचीत में जीवित है, क्योंकि राजनीति में हर मंच एक कथा होता है—बस फर्क इतना है कि कहीं श्लोक पढ़े जाते हैं,कहीं बयान।

हसदो की पावन धारा पर आस्था और जनसरोकार का संगम...मेण्ड्रा में शिवरात्रि पर महंत दंपत्ति का जलाभिषेक,हवन और जनसंवाद

-संवाददाता-
कोरिया/सोनहत (मेण्ड्रा),15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वनांचल क्षेत्र मेण्ड्रा में आस्था,परंपरा और जनसरोकार का ऐसा समागम देखने को मिला,जिसने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत और कोरबा सांसद ज्योत्स्ना महंत ने हसदो नदी के उद्गम स्थल पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में विधि-विधान से जलाभिषेक कर प्रदेश और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की, इस अवसर पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिव भक्ति से हुई दिन की मंगल शुरुआत

कार्यक्रम की शुरुआत हसदो नदी के पवित्र उद्गम स्थल पर बने प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक से हुई, मंत्रोच्चार के बीच महंत दंपत्ति ने भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन किया, हसदो की शांत लहरों और वनांचल की हरितिमा के बीच गूंजते वैदिक मंत्रों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया,डॉ. चरणदास महंत ने पूजा के पश्चात कहा कि महाशिवरात्रि केवल धार्मिक पर्व नहीं,बल्कि आत्मचिंतन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है,उन्होंने प्रदेश की शांति, समृद्धि और किसानों-युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हसदोः आस्था के साथ जीवनरेखा

सांसद ज्योत्स्ना महंत ने हसदो नदी को क्षेत्र की जीवनरेखा बताते हुए इसके संरक्षण का संकल्प दोहराया,उन्होंने कहा कि नदी, जंगल और जमीन का संतुलन ही इस वनांचल की असली पहचान है, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संसाधनों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे,उन्होंने यह भी कहा कि मेण्ड्रा और सोनहत क्षेत्र उनके परिवार के समान हैं,और यहां के विकास तथा पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना प्राथमिकता है। जनता से सीधा संवाद,समस्याओं पर मंथन-पूजा-अर्चना के पश्चात महंत दंपत्ति ने ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात की,ग्रामीणों ने पेयजल संकट,

सड़क निर्माण,शिक्षा सुविधाओं की कमी और वनाधिकार पट्टों से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, डॉ. महंत ने एक अभिभावक की भांति सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल विधानमंडल तक सीमित नहीं, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचना है।

अन्नपूर्णा सेवाः जनसेवा का भावुक दृश्य

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया जब कथा के पश्चात आयोजित भंडारे में डॉ. चरणदास महंत ने स्वयं अपने हाथों से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को प्रसाद परोसा, उन्होंने लोगों के बीच बैठकर उनकी कुशलक्षेम पूछी और आत्मीय संवाद किया, ग्रामीणों ने इसे सच्ची जनसेवा का उदाहरण बताया, कई बुजुर्गों की आंखें नम दिखीं, जिन्होंने कहा कि 'नेता जब हमारे बीच बैठता है, तभी भरोसा मजबूत होता है। '

लोक-कल्याण हेतु हवन

जलाभिषेक के पश्चात यज्ञशाला में विधि-विधान से हवन-पूजन संपन्न हुआ,'स्वाहा' के उद्घोष के साथ अग्निकुंड में आहुतियां अर्पित की गई,लोककल्याण, क्षेत्र की समृद्धि और समाज में सद्भाव के लिए प्रार्थना की गई,हवन की पवित्र सुगंध और

वैदिक मंत्रों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊंचाई का अनुभव कराया।

वनांचल में जनसेवा का संदेश

इस प्रवास ने यह स्पष्ट किया कि धार्मिक आस्था और जनसेवा एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं,मेण्ड्रा में आयोजित इस कार्यक्रम ने दिखाया कि शिवरात्रि का पर्व केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का अवसर भी है, हसदो की पावन धारा के तट पर हुआ यह आयोजन आस्था, संवेदना और जन प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया,मेण्ड्रा से उठी यह आवाज यही कहती रही –भक्ति के साथ जनसेवा ही सच्चा संकल्प है।

जनसेवा को मरणोपरांत सम्मान : आदिवासी नेता स्व. फलेंद्र सिंह के घर पहली बार पहुंचेगा कोई मुख्यमंत्री

16 फरवरी को ग्राम कूड़ेली में परिजनों से मुलाकात

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश के मुख्यमंत्री 16 एवं 17 फरवरी 2026 को कोरिया जिले के प्रवास पर रहेंगे,निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 फरवरी की शाम को जिले में आगमन के बाद वे हेलीपैड से सीधे ग्राम कूड़ेली पहुंचेंगे, जहां वे कद्दावर आदिवासी नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्व. फलेंद्र सिंह के परिजनों से मुलाकात करेंगे,यह पहला अवसर होगा जब किसी मुख्यमंत्री का आगमन स्व.फलेंद्र सिंह के निवास पर होगा,इसे जनसेवा और राजनीतिक समर्पण के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में देखा जा रहा है।

सरल स्वभाव और सर्वसमाज में लोकप्रिय नेतृत्व

स्व. फलेंद्र सिंह आदिवासी समाज से आने वाले प्रभावशाली नेता थे। वे लंबे समय तक भाजपा से जुड़े रहे और संगठन विस्तार तथा जनाधार वृद्धि के लिए सक्रिय भूमिका निभाते रहे, स्थानीय लोगों के अनुसार वे सरल,सहज और सर्वसमाज में लोकप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे,जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल को विकासोन्मुख और जनसरोकारों से जुड़ा माना जाता है।

राजनीतिक संदेश भी अहम

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री का यह दौरा केवल औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि आदिवासी समाज और जमीनी कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान का संदेश भी है, बताया जा रहा है कि पूर्व में भाजपा के 15 वर्षों के कार्यकाल के दौरान कोई मुख्यमंत्री उनके निवास तक नहीं पहुंचा था,अब जब प्रदेश में भाजपा की चौथी पारी है, तो मुख्यमंत्री का उनके घर जाना राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है,यह कदम संगठन के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने लंबे समय तक पार्टी के लिए काम किया।

प्रशासनिक तैयारियां पूरी

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है,ग्राम कूड़ेली में सुरक्षा व्यवस्था, मार्ग निरीक्षण और अन्य तैयारियां की जा रही हैं,अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

श्रद्धांजलि से बढ़कर संदेश

स्व. फलेंद्र सिंह के निवास पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति को केवल श्रद्धांजलि नहीं,बल्कि आदिवासी नेतृत्व और जमीनी राजनीति को सम्मान देने की पहल के रूप में देखा जा रहा है,यह दौरा न केवल परिवार के लिए भावनात्मक क्षण होगा, बल्कि जिले की राजनीति और आदिवासी समाज के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आएगा– कि जनसेवा और संगठन के प्रति समर्पण को समय के साथ भुलाया नहीं जाता।

लबालब जलाशय, सूखी फसलः नहर टूटी, ट्रांसफार्मर जला...

क्या अब मुख्यमंत्री ही सुनेंगे?

सुशासन के दावों के बीच प्यासे खेतः3 साल से नहीं मिला सिंचाई जल

जल है... पर खेत तक नहींः 80 प्रतिशत घटी रबी फसल, किसान बेहाल

आवेदन पर आवेदन, समाधान शून्यः नहर और बिजली संकट से जूझता छिंदिया

भरे बांध,खाली खेतः बजट के अभाव में तीन साल से ठप सिंचाई

7 माह से जला ट्रांसफार्मर, 3 साल से टूटी नहर–किसानों की सुनवाई कब ?

सुशासन तिहार से जनदर्शन तक... फिर भी नहीं पिघला प्रशासन

7 माह से खराब ट्रांसफार्मर, तीन फेस सप्लाई ठप

सिंचाई संकट के साथ बिजली संकट भी ग्रामीणों की कमर तोड़ रहा है। ग्राम पंचायत छिंदिया (वार्ड 1 से 5) और चिरगुड़ा के कोचिलापारा व केंवटापारा में स्थापित ट्रांसफार्मर पिछले 7-8 महीनों से खराब है, तीन फेस सप्लाई बाधित होने से जिन किसानों के पास ट्यूबवेल कनेक्शन है, वे भी पानी नहीं निकाल पा रहे। ट्रांसफार्मर निजी भूमि पर स्थापित होने के कारण भूमि स्वामी नए स्थान पर स्थापना को लेकर असहमति जता रहे हैं,विद्युत विभाग का कहना है कि ट्रांसफार्मर स्थानांतरण में लगभग 1,30,000 का खर्च आएगा,जिसे जिला प्रशासन वहन करे तो समस्या सुलझ सकती है। लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

-रवि सिंह-

कोरिया/बैकुंठपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ की वर्तमान भाजपा सरकार जहां एक ओर धान खरीदी की सुचारु व्यवस्था और ?3100 प्रति क्विंटल के भुगतान को लेकर खुद को किसान हितैषी साबित करने में जुटी है,वहीं दूसरी ओर कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत छिंदिया,चिरगुड़ा,तेंदुआ और कोचिला क्षेत्र के किसान बुनियादी सुविधाओं के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं,सवाल यह है कि क्या अब नहर की मरम्मत और खराब ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिए भी ग्रामीणों को सीधे मुख्यमंत्री से गुहार लगानी पड़ेगी?

सवाल जो जवाब मांगते हैं

- जब जलाशय लबालब हैं तो खेत सूखे क्यों?
- जब सर्वे हो चुका है तो बजट स्वीकृति में देरी क्यों?
- क्या ? 1.30 लाख जैसी छोटी राशि भी जिला प्रशासन के लिए असंभव है?
- क्या सुशासन का अर्थ केवल आयोजन और घोषणाएं हैं, या जमीनी समस्याओं का समाधान भी?

ग्राम पंचायत छिंदिया के खासपारा में विद्युत सप्लाई वाला ट्रांसफार्मर एक माह से खराब

कई बार विद्युत कार्यालय पटना में शिकायत दर्ज करने के बाद भी कार्यवाही नहीं...

विद्युत कार्यालय पटना में मौखिक और लिखित शिकायत की गई है दर्ज...

अमहर खैरी और छिंदिया क्षेत्र की स्थिति यह बताती है कि योजनाओं और घोषणाओं के बीच जमीनी क्रियान्वयन की खाई कितनी गहरी है। किसानों को धान का समर्थन मूल्य तो मिल रहा है, परंतु सिंचाई और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के बिना खेती टिकाऊ नहीं हो सकती, यदि समय रहते नहर मरम्मत,लिफ्ट इरिगेशन और ट्रांसफार्मर स्थानांतरण जैसे कार्य नहीं हुए,तो आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र कृषि उत्पादन के मामले में पिछड़ सकता है और पेयजल संकट भी गहरा सकता है, अब नजरें मुख्यमंत्री के संभावित दौरे पर टिकी हैं–क्या इस बार गुहार रंग लाएगी, या फिर फाइलें और आवेदन ही सुशासन का प्रतीक बने रहेंगे?

सुशासन तिहार से जनदर्शन तक...फिर भी निराकरण शून्य

ग्रामीणों ने अपनी समस्या सुशासन तिहार,कलेक्टर जनदर्शन, स्थानीय विधायक और संबंधित विभागों के समक्ष कई बार रखी,आवेदन पर आवेदन दिए गए, सर्वे हुए, आश्वासन मिले–लेकिन जमीनी समाधान नहीं,अब जब प्रदेश के मुख्यमंत्री कोरिया महोत्सव में पहुंचने वाले हैं, तो ग्रामीण एक बार फिर उम्मीद लगाए बैठे हैं कि शायद इस बार सीधे शीर्ष स्तर से निर्देश मिल जाएं।

लबालब जलाशय,सूखी नहरें

अमहर खैरी जलाशय, जिसे स्वर्गीय कुमार साहब द्वारा बनवाया गया था, इस वर्ष भी अच्छी वर्षा के चलते पानी से लबालब है,जिले के अधिकांश बांध और तालाब भरे हुए हैं,लेकिन दशकों पहले बनी नहरों की जर्जर स्थिति के कारण यह पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा, पिछले तीन वर्षों से अमहर खैरी जलाशय का लाभ संबंधित ग्राम पंचायतों के किसानों को नहीं मिल पा रहा,कई स्थानों पर नहरें टूट चुकी हैं,कहीं सिल्ट भर गई है, तो कहीं पक्की संरचना ध्वस्त हो चुकी है। परिणामस्वरूप रबी की फसल लगभग खत्म होने की कगार पर है।

80 प्रतिशत तक घटा रबी फसल का रकबा

क्षेत्र के किसान खरीफ के लिए वर्षा पर निर्भर रहते हैं और रबी के लिए नहर सिंचाई पर, परंतु इस वर्ष नहरों से पानी न आने के कारण रबी फसल का रकबा 80 प्रतिशत तक घट गया,गेहूं,चना,मसूर जैसी फसलें या तो बोई ही नहीं गईं या शुरुआती अवस्था में सूख गईं,किसानों का आरोप है कि पर्याप्त जल उपलब्ध होने के बावजूद प्रशासनिक उदासीनता और जल संसाधन विभाग की बजटहीनता ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है।

भूजल स्तर भी गिरा

नहरों से सिंचाई न होने का असर केवल फसल पर ही नहीं पड़ा, बल्कि ग्राम छिंदिया और आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर भी तेजी से नीचे चला गया है, पहले जब नहरों से नियमित जल प्रवाह होता था,तो भूजल रिचार्ज बना रहता था। लेकिन अब फरवरी के मध्य में ही कुएं, हैंडपंप और छोटे तालाब सूखने की स्थिति में हैं। यदि यही हाल रहा तो आने वाले ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट भी गहरा सकता है।

कराहीधार बांधः बना तो सही,काम का नहीं

छिंदिया के सीमावर्ती क्षेत्र में कराहीधार बांध का निर्माण हुआ,जो कोरिया और सूरजपुर जिले की सीमा पर स्थित है,परंतु इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि सीधे नहर से पानी उपलब्ध कराना संभव नहीं, विशेषज्ञों और ग्रामीणों का सुझाव है कि लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम के माध्यम से इस बांध का पानी उपयोग में लाया जा सकता है,इसके लिए भी सुशासन तिहार और मुख्यमंत्री आगमन के दौरान आवेदन दिया जा चुका है, विभाग ने सर्वे भी किया,परंतु यहां भी वही जवाब–बजट का अभाव।

127 करोड़ की विकास सौगात लेकर आज एमसीबी आएंगे मुख्यमंत्री

-संवाददाता-

एमसीबी,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जिले में प्रस्तावित दौरा प्रशासनिक और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है और कार्यक्रम स्थल से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर लगभग 2:00 बजे पोड़ी ग्राउंड स्थित हेलीपेड पहुंचेंगे,जहां से वे मालवीय नगर पोड़ी स्थित मंगल भवन में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होंगे, इस अवसर पर जिले को 12704.63 लाख रुपये (लगभग 127 करोड़ रुपये) की विकास सौगात मिलने जा रही है।

141 विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

मुख्यमंत्री के हाथों कुल 141 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास प्रस्तावित है, 82 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण लागत- 3879.85 लाख रुपये 59 नए कार्यों का शिलान्यास स्वीकृत राशिः 8824.78 लाख रुपये, इन कार्यों के माध्यम से जिले में आधारभूत संरचना को नई मजबूती मिलेगी,विकास योजनाओं में सड़क निर्माण, पुल-पुलिया,शासकीय भवन,स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ीकरण, पेयजल व्यवस्था तथा नगरीय विकास से जुड़े अनेक प्रकल्प शामिल हैं,इन योजनाओं का सीधा लाभ शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को मिलेगा।

मीडिया संवाद और विकास की रूपरेखा

मुख्यमंत्री कार्यक्रम के दौरान मीडिया से संक्षिप्त संवाद भी करेंगे, जिसमें जिले की भावी विकास योजनाओं और आगामी परियोजनाओं की रूपरेखा साझा किए जाने की संभावना है,जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री का औपचारिक स्वागत किया जाएगा तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया जाएगा।

जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना

मुख्य कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री का काफिला जगन्नाथ मंदिर एमसीबी पहुंचेगा। यहां अंगवस्त्र और तिलक से उनका स्वागत किया जाएगा,मंदिर परिसर में यज्ञशाला में हवन-पूजन,बाबा गुरु घासीदास की कुटिया में दर्शन तथा जगन्नाथ और शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना का कार्यक्रम निर्धारित है। आनंद बाजार में आम नागरिकों के साथ प्रसाद ग्रहण करने के बाद मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया जाएगा, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री शाम लगभग 4-10 बजे हेलीकॉप्टर से अगले गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगे।

विकास को नई गति

मुख्यमंत्री का यह दौरा जिले के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 127 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास से जिले में विकास की नई इबारत लिखे जाने की उम्मीद जताई जा रही है,प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हैं और आमजन में भी उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है,यह दौरा जिले के समग्र विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम साबित हो सकता है।

शादी में शामिल होने आया युवक महुआ पेड़ पर फांसी से लटका मिला

4 दिन पहले पहुंचा था रिश्तेदार के घर, रात में भोजन के बाद निकला–सुबह मिली लाश

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिले के बिश्रामपुर क्षेत्र में एक युवक द्वारा कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है, युवक चार दिन पहले रिश्तेदार के यहां विवाह समारोह में शामिल होने आया था। शुक्रवार रात भोजन करने के बाद वह घर से निकला और शनिवार सुबह उसका शव गांव के बाहर महुआ पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला, घटना से परिवार और गांव में शोक का माहौल है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

विवाह समारोह में आया था युवक

पुलिस के अनुसार,सूरजपुर जिले के करंजी थाना क्षेत्र के ग्राम सुदामानगर निवासी बिहारी लाल पैकरा के यहां विवाह समारोह आयोजित था, इसमें शामिल होने प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बैकोना निवासी 20 वर्षीय मुकेश पैकरा (पिता रामधनी पैकरा) चार दिन पूर्व अपने रिश्तेदार के घर आया था, शुक्रवार की रात उसने परिजनों के साथ भोजन किया और खालपारा जाने की बात कहकर घर से निकल गया।

सुबह महुआ पेड़ पर लटका मिला शव

शनिवार सुबह गांव के माझामहुआरी क्षेत्र में स्थित एक महुआ पेड़ पर युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना परिजनों को दी, परिजन मौके पर पहुंचे तो मुकेश को पेड़ से लटका देख स्तब्ध रह गए। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस जांच जारी

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया, पोस्टमार्टम के पश्चात शनिवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है, युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका अभी तक स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, परिजन भी इस घटना से गहरे सदमे में हैं।

परिवार में मातम

चार दिन पहले जहां विवाह समारोह की खुशियां थीं,वहीं अब उसी घर और परिवार में मातम पसरा हुआ है, अचानक हुई इस घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया है,पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है और परिजनों व परिचितों से पूछताछ की जा रही है।

विद्यालय में मातृ-पितृ दिवस पर विशेष आयोजन

बच्चों ने आरती,तिलक और पुष्पवर्षा कर किया माता-पिता का सम्मान

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

मातृ-पितृ दिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले के शासकीय प्राथमिक शाला उरांवपारा, मदनेश्वरपुर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, विद्यालय परिसर में स्नेह, सम्मान और संस्कारों से परिपूर्ण वातावरण देखने को मिला,कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं विद्यालय प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता के सम्मान और सेवा का संकल्प लिया।

प्रधानाध्यापक का संदेश

विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय साहू ने अपने संबोधन में कहा कि माता-पिता हमारे प्रथम गुरु होते हैं, उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रारंभ से ही सम्मान, सेवा और कृतज्ञता का भाव विकसित करना आवश्यक है, उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल बच्चों में नैतिक मूल्यों और संस्कारों को मजबूत करते हैं, बल्कि पारिवारिक संबंधों को भी सुदृढ़ बनाते हैं,कार्यक्रम के अंत में अभिभावकों ने विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मातृ-पितृ दिवस का यह आयोजन शिक्षा के साथ संस्कारों के समन्वय का सुंदर उदाहरण बनकर सामने आया।

भावनाओं से भरा पूजन समारोह

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपने माता-पिता की आरती उतारी,तिलक लगाया और पुष्पवर्षा कर उनका पूजन किया, नन्हे विद्यार्थियों द्वारा माता-पिता के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने का दृश्य अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा, विद्यालय प्रबंधन के अनुसार लगभग 100 बच्चों ने इस विशेष आयोजन में भाग लेकर अपने माता-पिता के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

रचनात्मक गतिविधियों में दिखा उत्साह

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने चित्रकला,कविता-पाठ, भाषण, समूह गीत एवं धन्यवाद-कार्ड निर्माण जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया,बच्चों ने अपने प्रस्तुतियों के माध्यम से माता-पिता के त्याग,प्रेम और जीवन में उनके महत्व को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया,कई विद्यार्थियों ने भावपूर्ण कविताओं के जरिए अपने मन की बात रखी, जिससे उपस्थित अभिभावकों की आंखें नम हो गईं।

महाशिवरात्रि पर भक्ति का महासागरः शिवमहापुराण के समापन में उमड़ा जनसैलाब

द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा से गुंजायमान हुआ सोनहत

द्वादश ज्योतिर्लिंग की महिमा से आलोकित हुआ पंडाल,हर-हर महादेव से थर्राया सोनहत
भक्ति के मंच पर दिखी सामाजिक समरसताः महाशिवरात्रि पर एकत्र हुए सत्ता-विपक्ष

पार्थिव पूजन और देवी चरित्र से भावविभोर श्रद्धालु, शिवकथा का भव्य समापन
मैं यहाँ वक्ता नहीं,केवल श्रोता हूँः महाशिवरात्रि पर डॉ. महंत का विनम्र संदेश...

द्वादश ज्योतिर्लिंगों का दिव्य वर्णनःआस्था का विस्तार

कथा के अंतिम दिन कथावाचक ने भारत के बारह पवित्र ज्योतिर्लिंगों की उत्पत्ति, महत्व और आध्यात्मिक प्रभाव का विस्तृत वर्णन किया, सोमनाथ मंदिर से लेकर रामेश्वरम मंदिर तक स्थापित शिवधामों का स्मरण कराया गया, कथावाचक ने बताया कि द्वादश ज्योतिर्लिंग केवल तीर्थस्थल नहीं,बल्कि शिव के साक्षात प्रकाश स्वरूप हैं, इनके नामों का स्मरण और दर्शन मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, श्रद्धालु पूरे समय भक्ति में लीन होकर कथा श्रवण करते रहे,कई श्रद्धालुओं की आंखें भावविभोर होकर नम हो गईं।

पार्थिव शिवलिंग पूजनः कलयुग का सरलतम साधन

महाशिवरात्रि के दिन विशेष रूप से पार्थिव शिवलिंग पूजन का आयोजन किया गया। कथावाचक ने बताया कि कलयुग में मिट्टी से निर्मित शिवलिंग का पूजन अत्यंत फलदायी और सरल साधना है, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से मिट्टी के शिवलिंगों का निर्माण कर विधि-विधान से अभिषेक किया। दूध, जल, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर महादेव का आह्वान किया गया, पूरे पंडाल में धूप, दीप और मंत्रोच्चार की पवित्र सुगंध और ध्वनि वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रही थी।

देवी चरित्रः शक्ति और शिव का अभिन्न स्वरूप

कथा के दौरान देवी सती और माता पार्वती के चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथावाचक ने बताया कि शिव और शक्ति एक-दूसरे के पूरक हैं, माता सती के आत्मसम्मान और माता पार्वती की कठोर तपस्या के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया, नारी शक्ति, त्याग और समर्पण की महिमा को रेखांकित करते हुए कहा गया कि जहां शिव हैं, वहां शक्ति का वास अनिवार्य है।

-संवाददाता-
सोनहत,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सोनहत की पवित्र धरती भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक सौहार्द के अद्भुत संगम की साक्षी बनी,कई दिनों से चल रही शिवमहापुराण कथा का भव्य समापन 'द्वादश ज्योतिर्लिंग' के दिव्य वर्णन, पार्थिव शिवलिंग पूजन और देवी चरित्र के मार्मिक प्रसंगों के साथ हुआ, अंतिम दिवस पर श्रद्धालुओं का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि पूरा पंडाल हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा।

भक्ति के मंच पर सत्ता-विपक्ष का सौहार्द

आयोजन की भव्यता उस समय और बढ़ गई जब प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल कथा स्थल पहुंचे,उन्होंने आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संचार करते हैं, मंच पर एक सादगीपूर्ण दृश्य तब देखने को मिला जब मंत्री जायसवाल ने नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के समीप पहुंचकर विनम्रतापूर्वक हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इस दृश्य ने यह संदेश दिया कि वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन आस्था के मंच पर सभी केवल भक्त होते हैं, मंत्री ने अपने संबोधन में कहा–महादेव की कथा जहां होती है, वहां केवल श्रद्धा और समर्पण का भाव होता है। सोनहत की यह पावन धरा आज पूरे प्रदेश को एकता का संदेश दे रही है।

मैं यहाँ वक्ता नहीं, केवल श्रोता हूँ : डॉ. महंत

कथा के दौरान जब व्यासपीठ से डॉ. चरणदास महंत को उद्बोधन के लिए आमंत्रित किया गया, तो उन्होंने अत्यंत विनम्रता से कहा–मैं यहां भाषण देने नहीं, बल्कि महादेव की कथा सुनने आया हूं। आज मुझे केवल एक भक्त के रूप में शिव रस का आनंद लेने दें। उनकी इस सादगी और विनम्रता से उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा वाचक ने भी इसे उनके व्यक्तित्व की सरलता और आध्यात्मिकता का परिचायक बताया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

समापन अवसर पर सांसद ज्योत्स्ना महंत, पूर्व विधायक गुलाब कमरो, विनय जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, प्रभा पटेल, राजकुमार केशरवानी, योगेश शुक्ला, अशोक जायसवाल, वेदांती तिवारी सहित कांग्रेस और भाजपा के कई दिग्गज नेता भी कथा श्रवण हेतु पहुंचे।

आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश

महाशिवरात्रि के इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि धर्म और संस्कृति समाज को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति हैं,जब शिवमहापुराण की कथा गूंजती है, तो राजनीतिक सीमाएं धुंधली पड़ जाती हैं और शेष रह जाता है केवल भक्ति, श्रद्धा और समर्पण का भाव, सोनहत में आयोजित यह भव्य आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और सौहार्द का भी प्रेरक उदाहरण बन गया।

जमीन विवाद में चचेरे भाई ने की 14 वर्षीय किशोर की हत्या

आरोपी गिरफ्तार, पिता को भी मारने की थी साजिश

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महोरा में जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। 14 वर्षीय किशोर की उसके ही चचेरे भाई ने टांगी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने मृतक के मोबाइल से ही उसके मामा को फोन कर हत्या की सूचना दी और अगले दिन खुद परिजनों के साथ तलाश में भी शामिल होकर सभी को गुमराह करता रहा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतक के मोबाइल से आई हत्या की सूचना

11 फरवरी की शाम लगभग 5 बजे ग्राम महोरा निवासी मंगलूराम पंडो के बड़े बेटे 14 वर्षीय लालसाय के मोबाइल से उसके मामा मंगल साय के पास एक कॉल आया, फोन करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने बताया कि लालसाय की हत्या कर दी गई है और उसका शव गहुआ भादा जंगल में पड़ा है, सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, लेकिन अंधेरा होने के कारण शव का पता नहीं चल सका,अगले दिन सुबह पुनः ग्रामीणों के साथ जंगल में खोजबीन की गई, जहां पगडंडी किनारे लालसाय का शव बरामद हुआ।

टांगी से वार,गले पर गंभीर चोट

शव की स्थिति देखकर स्पष्ट था कि हत्या धारदार हथियार से की गई है, गले पर गहरे वार के निशान थे। घटना की सूचना मिलते ही प्रेमनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की, मृतक के पिता मंगलूराम पंडो ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनका जमीन बंटवारे को लेकर अपने बड़े भाई महाबली पंडो से विवाद चल रहा है, इसी आधार पर पुलिस ने संदेह के दायरे में परिजनों से पूछताछ शुरू की।

शक के आधार पर हिरासत,कबूला जुर्म

जांच के दौरान पुलिस ने महाबली पंडो के बेटे देवसाय पंडो उर्फ देवान (28 वर्ष) को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली,आरोपी ने बताया कि जमीन विवाद से आक्रोशित होकर उसने योजनाबद्ध तरीके से लालसाय को जंगल की ओर ले जाकर टांगी से हमला कर उसकी हत्या कर दी, हत्या के बाद उसने मृतक का की-पैड मोबाइल तोड़कर सिम और बैट्री अलग कर दी तथा उसी फोन से मामा को कॉल कर सूचना दी, ताकि शक किसी और दिशा में जाए, पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक का मोबाइल, टूटा सिम, बैट्री और घटना में प्रयुक्त टांगी जब्त कर ली है।

चाचा को भी मारने की थी योजना

पूछताछ में आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपने चाचा यानी मृतक के पिता को भी मारने की योजना बना रहा था, जमीन विवाद की रंजिश ने उसे इस हद तक आक्रामक बना दिया था कि वह पूरे परिवार को नुकसान पहुंचाने की मंशा रखता था।

पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका

मामले की गुत्थी सुलझाने में थाना प्रभारी विराट विशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की,जांच में प्रधान आरक्षक महेंद्र पटेल, विनय किस्पोट्टा, आरक्षक सत्यम सिंह, दीपक यादव, हरीश दास, नागेंद्र राजवाड़े, गोरेश्वर सिंह, राजू उइके एवं महिला आरक्षक सिंधू कुजूर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पारिवारिक विवाद बना खून का कारण

यह घटना एक बार फिर दर्शाती है कि जमीन-जायदाद के विवाद किस तरह पारिवारिक रिश्तों को तार-तार कर देते हैं, एक चचेरे भाई द्वारा नाबालिग की हत्या ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है, पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनसेवा को मरणोपरांत सम्मानः आदिवासी नेता स्व. फलेंद्र सिंह के घर पहली बार पहुंचेगा कोई मुख्यमंत्री

16 फरवरी को ग्राम कूड़ेली में परिजनों से मुलाकात, राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से अहम दौरा

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
प्रदेश के मुख्यमंत्री 16 एवं 17 फरवरी 2026 को कोरिया जिले के प्रवास पर रहेंगे, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 फरवरी की शाम को जिले में आगमन के बाद वे हेलीपैड से सीधे ग्राम कूड़ेली पहुंचेंगे, जहां वे कद्दावर आदिवासी नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्व. फलेंद्र सिंह के परिजनों से मुलाकात करेंगे, यह पहला अवसर होगा जब किसी मुख्यमंत्री का आगमन स्व. फलेंद्र सिंह के निवास पर होगा,इसे जनसेवा और राजनीतिक समर्पण के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में देखा जा रहा है।

सरल स्वभाव और सर्वसमाज में लोकप्रिय नेतृत्व

स्व. फलेंद्र सिंह आदिवासी समाज से आने वाले प्रभावशाली नेता थे। वे लंबे समय तक भाजपा से जुड़े रहे और संगठन विस्तार तथा जनाधार वृद्धि के लिए सक्रिय भूमिका निभाते रहे, स्थानीय लोगों के अनुसार वे सरल, सहज और सर्वसमाज में लोकप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे, जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल को विकासोन्मुख और जनसरोकारों से जुड़ा माना जाता है।

राजनीतिक संदेश भी अहम

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री का यह दौरा केवल औपचारिक मुलाकात नहीं,बल्कि आदिवासी समाज और जमीनी कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान का संदेश भी है, बताया जा रहा है कि पूर्व में भाजपा के 15 वर्षों के कार्यकाल के दौरान कोई मुख्यमंत्री उनके निवास तक नहीं पहुंचा था,अब जब प्रदेश में भाजपा की चौथी पारी है, तो मुख्यमंत्री का उनके घर जाना राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, यह कदम संगठन के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने लंबे समय तक पार्टी के लिए काम किया।

प्रशासनिक तैयारियां पूरी

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है, ग्राम कूड़ेली में सुरक्षा व्यवस्था,मार्ग निरीक्षण और अन्य तैयारियां की जा रही हैं, अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

श्रद्धांजलि से बढ़कर संदेश

स्व. फलेंद्र सिंह के निवास पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति को केवल श्रद्धांजलि नहीं,बल्कि आदिवासी नेतृत्व और जमीनी राजनीति को सम्मान देने की पहल के रूप में देखा जा रहा है, यह दौरा न केवल परिवार के लिए भावनात्मक क्षण होगा, बल्कि जिले की राजनीति और आदिवासी समाज के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आएगा–कि जनसेवा और संगठन के प्रति समर्पण को समय के साथ भुलाया नहीं जाता।

वनांचल की पगडंडियों पर जनविश्वास की पहलः भूलन सिंह मरावी का व्यापक जनसंवाद अभियान

हर घर तक पहुंचे हक, हर समस्या का हो समाधान' के संकल्प के साथ दुर्गम बस्तियों तक पहुंचा संवाद

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप तब दिखाई देता है, जब जनप्रतिनिधि कार्यालयों की औपचारिक बैठकों से निकलकर सीधे जनता के बीच पहुंचता है,प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने इसी भावना के साथ वनांचल क्षेत्र के ग्राम रामेश्वरनगर,महेशपुर एवं हरिहरपुर में व्यापक जनसंवाद अभियान चलाया, घने वन क्षेत्र, कच्ची सड़कों और दूरस्थ बस्तियों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान की दिशा में तत्काल पहल का भरोसा दिया। ग्रामीणों ने इसे केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं,बल्कि विश्वास और सहभागिता का प्रयास बताया।

योजनाओं की जानकारी घर-घर तक

जनसंवाद के दौरान विधायक मरावी ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी,उन्होंने कहा कि शासन की मंशा स्पष्ट है–अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना,वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं,राशन कार्ड,स्वास्थ्य सेवाएं,छात्रवृत्ति और शिक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। पात्र हितग्राहियों को आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी दी गई, उन्होंने कहा, यदि किसी भी योजना में बाधा आती है, तो सीधे मुझसे संपर्क करें,आपकी समस्या मेरी जिम्मेदारी है।

वन क्षेत्र में सुरक्षा और संवेदनशीलता

वनांचल क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विधायक ने ग्रामीणों को सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी,उन्होंने अनावश्यक रूप से रात्रि में बाहर न निकलने का आग्रह किया और कहा कि प्रशासन के साथ समन्वय कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा, यह संदेश केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और संवेदनशीलता का भी संकेत देता है।

समस्याओं पर गंभीर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल की कमी,जर्जर सड़कों, राशन वितरण में अनियमितता, पेंशन भुगतान में विलंब और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं सामने रखीं,विधायक मरावी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया,उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और नियमित समीक्षा की जाएगी।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी

जनसंवाद कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि एवं मंडल महामंत्री विजय सिरदार,मंडल अध्यक्ष मिथिला बंजारा,उपाध्यक्ष कंचन श्याम,पूर्व मंडल अध्यक्ष जगमोहन सिंह,जनपद अध्यक्ष फुलेश सिरदार, नगर पार्षद वीरेंद्र जायसवाल,आदिवासी मोर्चा जिला मंत्री शिवनंदन सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे, सभी ने वनांचल क्षेत्र में निरंतर जनसंपर्क को सकारात्मक पहल बताया।

विश्वास और विकास की नई उम्मीद

वनांचल के दुर्गम क्षेत्रों में पहुंचकर जनसंवाद करना यह दर्शाता है कि विधायक केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं,बल्कि जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं,यह अभियान ग्रामीणों के मन में विश्वास, संवाद और विकास की नई उम्मीद जगाने वाला प्रयास साबित हुआ,गांव की चौपाल से उठी समस्याओं की आवाज जब सीधे जनप्रतिनिधि तक पहुंचती है, तब लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होती हैं।

CMYK

करोड़ों कमाने वाले राजपाल यादव क्यों नहीं चुका पा रहे 9 करोड़ रुपये का कर्जा?

अभिनेता राजपाल यादव राजपाल यादव 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्होंने 2010 में अपनी पहली निर्देशित फिल्म अता पता लपाता के लिए 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था,जिसे वह ब्याज सहित चुका नहीं पाए। 2 फरवरी को उन्होंने सरेंडर कर दिया। हालांकि उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है और हाल ही कई फिल्मों से करोड़ों की कमाई की है। राजपाल यादव पिछले काफी समय से 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस केस को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर समय से ब्याज चुका नहीं पाए जिसके बाद उन्होंने 2 फरवरी को खुद सरेंडर कर दिया। एक्टर तभी से तिहाड़ जेल में बंद हैं। ऐसे में उनके फैंस और कई अन्य लोग इस बात को लेकर चकित हैं कि राजपाल यादव क्या इतना भी नहीं कमा रहे कि अपना ब्याज चुका पाएं।

क्या है ये पूरा मामला और एक्टर की कमाई के क्या हैं रास्ते, आइए विस्तार से समझते हैं। राजपाल यादव ने अपने 30 साल के फिल्मी करियर में लगभग 215 फिल्मों में काम किया है। ये रिलीज हो चुकी फिल्मों का आंकड़ा है जिसमें कुछ अधूरे प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

29 साल पहले मुंबई आए थे अभिनेता

एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में राजपाल ने मुंबई में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि सौभाग्य से, 1997 में मैं मुंबई पहुंचा। मेरे पास मुंबई की रहने वाली मंजू जी का संपर्क था, जिन्होंने मेरा नाटक देखने के बाद मुझे अपना नंबर दिया। उन्होंने मुझे स्वराज में पांच एपिसोड की भूमिका की पेशकश की, और तब से लेकर पिछले साल बेबी जॉन तक, मेरे पास चुनने के लिए इतने सारे प्रस्ताव आए।

समय से नहीं चुकाया पैसा

अब एक्टर का ये हाल है कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि उनके पास 2010 से बकाया कर्ज चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं,जो अब कथित तौर पर बढ़कर 9 करोड़ रुपये हो गया है। खबरों के मुताबिक, उन्होंने अपनी पहली निर्देशित फिल्म अता पता लपाता के लिए 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। पिछले दो सालों में अनुमानित 7-8 करोड़ रुपये की कमाई के बावजूद, राजपाल 2010 से चले आ रहे ब्याज और कानूनी देरी के कारण कर्ज चुकाने में असमर्थ रहे हैं।

पिछली कुछ फिल्मों से कितनी हुई कमाई

अब उनकी कमाई पर जाए तो इंडिया डॉट काम की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म बेबी जॉन के लिए राजपाल यादव को वरुण धवन के मुकाबले बस 4 प्रतिशत फीस दी गई थी। इस मूवी के लिए राजपाल यादव को 1 करोड़ फीस मिली। खबरों के मुताबिक,उन्हें कठल, ड्रीम गर्ल और बेबी जॉन के लिए 1 करोड़ रुपये प्रति फिल्म के हिसाब से भुगतान किया गया था। चंदू चैंपियन के लिए उन्होंने कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये कमाए,जबकि भूल भुलैया 3 के लिए उनकी फीस 2 से 3 करोड़ रुपये के बीच बताई जा रही है। एक तरफ जहां लीड एक्टर को तगड़ी फीस पे की जाती है वहीं सपोर्टिंग कलाकार को उतने पैसे और पहचान नहीं मिलती ये भी एक गूढ़ सच है। इसको लेकर कई बार बातें की जा चुकी हैं।

क्या राजपाल यादव दिवालिया हो गए हैं?

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने राजपाल के पैसे न होने के दावे पर सवाल उठाए हैं। एक रेडिट यूजर ने लिखा, मुझे यह बात बिल्कुल भी समझ नहीं आती कि इस आदमी के पास पैसे नहीं हैं। यह मामला 16 साल से चल रहा है। उन्होंने किश्तों में भुगतान करने पर सहमति जताई थी, लेकिन लगभग 20 बार भुगतान में चूक की या डिमांड ड्राफ्ट पर गलत जानकारी दी। वह एक बड़े हास्य कलाकार हैं जिन्होंने 2010 से कई फिल्में की हैं। अगर वह अंतरराष्ट्रीय स्टेज शो,कपिल शर्मा शो जैसे टीवी शो और नियमित फिल्मी काम करते हैं, तो यह मानना मुश्किल है कि वह 9 करोड़ रुपये का इंतजाम नहीं कर पाएंगे। 9 करोड़ रुपये बड़ी रकम है,लेकिन एक बड़ी फिल्म में एक छोटी भूमिका के लिए भी आसानी से 25 से 50 लाख रुपये मिल जाते हैं। उन्होंने बकाया राशि का भुगतान क्यों नहीं किया?
वहीं सलमान खान,सोनू सूद,अजय देवगन,डेविड धवन जैसे कई कलाकारों ने एक्टर के लिए सहायता का हाथ बढ़ाया है और फाइनेंशियल हेल्प देने की बात कही है।

नायक के बाद अनिल कपूर के पास आया था कई पॉलिटिकल पार्टीज का न्यौता,बोले-ये मेरे अंदर...

अभिनेता अनिल कपूर ने अपनी कल्ट क्लासिक फिल्म नायक के बाद राजनीति में शामिल होने के प्रस्तावों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनके प्रभावशाली पत्रकार के किरदार के कारण कई राजनीतिक दलों ने उनसे संपर्क किया था।
अभिनेता अनिल कपूर की 2001 में आई पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म नायक एक कल्ट क्लासिक बन गई। वहीं कुछ दिनों पहले ऐसी खबर आई थी कि बहुत जल्द इसका सीक्वल आने वाला है। वहीं सूबेदार अभिनेता ने नायक को लेकर कई नए खुलासे किए हैं।
अनिल कपूर ने स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में बताया कि फिल्म नायक की रिलीज के बाद राजनीति में आने के प्रस्ताव के बारे में बताया। फिल्म में एक पत्रकार के रूप में उनका अभिनय इतना प्रभावशाली था कि फिल्म देखने के बाद कई राजनीतिक दलों ने उनसे संपर्क किया।अनिल कपूर के पास आए थे ऑफर
अनिल ने पार्टी का नाम लिए बिना कहा,÷कुछ बातचीत हुई थी, लेकिन मैंने उसे शुरू में ही रोक दिया। वे लोग बहुत समझदार भी हैं। इसलिए जो लोग आपको यह प्रस्ताव देते हैं, वे सीधे तौर पर नहीं देते। यह प्रस्ताव किसी और के माध्यम से आता है। आपको कहीं न कहीं यह अंदाजा हो जाता है कि वह यह काम करने के इच्छुक नहीं हैं।
काम में अपना 100 परसेंट देते हैं एक्टर

अनिल ने आगे कहा,अगर मैं यह करता हूं, तो मुझे इसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करना होगा। लेकिन मुझमें पूरी तरह से समर्पित होने की क्षमता नहीं है। मैं जो भी करता हूं, उसमें अपना 100 प्रतिशत देना चाहता हूं। स्लमडॉग मिलियनेयर की रिलीज के बाद जब मैं अमेरिका में था,तब संयुक्त राष्ट्र ने कई बार मुझसे ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए कहा था। कभी-कभी, जब आप चर्चा में होते हैं, तो दुनिया का हर संगठन आपसे संपर्क करना चाहता है। शंकर द्वारा निर्देशित फिल्म नायक एक आम आदमी की कहानी थी जो एक दिन के लिए किसी राज्य का मुख्यमंत्री बन जाता है। इस फिल्म में रानी मुखर्जी,अमरीश पुरी,परेश रावल,सौरभ शुक्ला,जॉनी लीवर, शिवाजी सतम और नीना कुलकर्णी भी थे। एक्टर की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो अनिल कपूर बहुत जल्द प्राइम वीडियो की सीरीज सूबेदार में नजर आएंगे। ये एक रिटायर्ड फौजी की कहानी है जिसमें राधिका मदान ने उनकी बेटी का किरदार निभाया है।

ऐश्वर्या को मेरी इजाजत की...,बीवी को लेकर अभिषेक बच्चन ने दिया ऐसा जवाब,यूजर्स की बोलती बंद!

ऐश्वर्या राय बच्चन फिल्मों में एक्टिव तो हैं, लेकिन बहुत कम। एक बार अभिषेक बच्चन से एक यूजर ने कह दिया था कि वह उन्हें ज्यादा फिल्में करने के लिए परमीशन दें। फिर एक्टर ने जो जवाब दिया, वो सोशल मीडिया पर छा गया था। पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अदाकाराओं में गिनी जाती हैं। वह पिछले कुछ सालों से कम लेकिन उम्दा काम कर रही हैं। ऐश्वर्या जब भी स्क्रीन पर आती हैं तो अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सभी का दिल चुरा लेती हैं। ऐश्वर्या राय की बेहतरीन अदाकारी ही है कि लोग उन्हें और देखना चाहते हैं। तीन साल पहले की बात है, सोशल मीडिया पर सिर्फ ऐश्वर्या की ही चर्चा हो रही थी। इसकी वजह उनकी फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 थी। काफी समय बाद एक्ट्रेस की परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हो रही थी।

यूजर को अभिषेक बच्चन का जवाब

उस वक्त एक यूजर ने ऐश्वर्या राय के पति अभिषेक बच्चन को टैग करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा था, जैसा आपको करना चाहिए। अब उन्हें और फिल्में साइन करने दो और आप आराध्या का ख्याल रखो।यूजर के इस ट्वीट का अभिषेक बच्चन ने करारा जवाब दिया था। उन्होंने लिखा था, ÷उन्हें साइन करने दो? सर, उन्हें किसी भी चीज के लिए मेरी इजाजत की जरूरत नहीं है, खासकर वो चीज जो उन्हें पसंद है। अभिषेक का ये ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन का वर्क फंट

करण जौहर की ऐ दिल है मुश्किल मूवी के बाद से ही ऐश्वर्या राय फिल्मी वर्ल्ड में कम एक्टिव हैं। वह इसके बाद सिर्फ एक बॉलीवुड और दो साउथ फिल्मों में नजर आईं। आखिरी बार एक्ट्रेस को मणि रत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 में देखा गया था।इस तमिल फिल्म में उन्होंने नंदिनी की भूमिका निभाई थी जिसे काफी पसंद किया गया। अब उन्हें फिर से किसी फिल्म में देखने का फैंस इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अभिषेक की बात करें तो वह शाह रुख खान स्टार किंग में नजर आने वाले हैं।

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद विजय वर्मा को फिर हुआ प्यार? किसे डेट कर रहे हैं एक्टर,

विजय वर्मा ने अपनी वैलेंटाइन डे स्टोरी से इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। लोगों को लगा कि तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद वह अब एक नए रिलेशनशिप में हैं और एक्टर ने सोशल मीडिया पर इसे ऑफिशियल कर दिया, लेकिन नहीं कहानी में ट्विस्ट कुछ और है। 14 फरवरी को विजय ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी अपलोड की, जिसने तुरंत सभी का ध्यान खींचा। फोटो में वह एक महिला का हाथ पकड़े हुए थे। हालांकि, उसका चेहरा जानबूझकर फ्रेम में नहीं दिखाया गया।

विजय वर्मा के वैलेंटाइन पोस्ट ने मचाई हलचल

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप कुछ महीनों बाद विजय वर्मा ने वैलेंटाइन डे पर एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की। उन्होंने इसमें कैप्शन लिखा, जिससे उनके प्यार की अटकलों को हवा मिली। उन्होंने लिखा, मेरी हमेशा के लिए हैप्पी वैलेंटाइन डे% इसके बाद एक लाल दिल और रेनबो इमोजी लगाया। मामले को और दिलचस्प बनाने के लिए उन्होंने एक इंस्टाग्राम हैंडल को टैग किया, जिससे फैंस पूरी तरह से इन्वेस्टिगेटिव मोड में आ गए।

विजय वर्मा किसे कर रहे हैं डेट

विजय वर्मा के वैलेंटाइन फोटो के सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत रिएक्ट किया। कई लोगों ने मान लिया कि एक्टर अब तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद आगे बढ़ गए हैं और एक नए रोमांस के साथ पब्लिक में आने के लिए तैयार है, लेकिन रहस्य उतनी ही जल्दी खुल गया जितनी जल्दी यह शुरू हुआ था। टैग किए गए अकाउंट की गहराई से जांच करने पर पता चला कि यह कोई असली प्रोफाइल नहीं था। इसके बजाय, यह एक रैंडमली बनाया गया अकाउंट लग रहा था, जो किसी बड़े मजाक का हिस्सा लग रहा था। इसे यह साफ हो गया कि वैलेंटाइन डे का यह टीज़ एक प्रैंक से ज्यादा कुछ नहीं था।

खेल समाचार

टी-20 वर्ल्डकप में अमेरिका की लगातार दूसरी जीत

नामीबिया को 31 रन से हराया, संजय कृष्णमूर्ति ने 68 रन बनाए शाल्कविक को 2 विकेट

चेन्नई,15 फरवरी 2026। अमेरिका ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। रविवार को टीम ने नामीबिया को 31 रन से हरा दिया। 26वें मैच में यूएसए ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। ग्रुप-ए का यह मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका ने नामीबिया को 200 रन का टारगेट दिया। टीम ने 4 विकेट खोकर 199 रन बना दिए। संजय कृष्णमूर्ति ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए। उन्होंने 33 बॉल पर 6 सिक्स और 4 चौके लगाए। वहीं कप्तान मोनांक पटेल ने 30 बॉल पर 52 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 3 सिक्स लगाए।
नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरास्मस और विलेम माईबर्ग ने 2-2 विकेट चटकाए। रूबेन ट्रम्पलमैन सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में

52 रन दे दिए।
200 रन का पीछा करने उतरी नामीबिया की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन ही बना सकी। टीम से लॉरेन स्टीनकैंप ने 58 रन की पारी खेली। जेजे स्मिट ने 31 रन का योगदान दिया। अमेरिका से शैडली वान शाल्कविक ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

नामीबिया टूर्नामेंट से बाहर

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से नामीबिया बाहर हो गया है। ग्रुप-ए में टीम अपने तीनों मैच हार गई। नामीबिया को हराकर अमेरिका अभी भी क्वालिफिकेशन राउंड में बना हुआ है। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर मौजूद है।

यूएसए की लगातार दूसरी जीत, नामीबिया टूर्नामेंट से बाहर

आखिरी ओवर में नामीबिया 6 रन ही जोड़ सका और एक विकेट गंवा बैठा, जिससे टीम 20 ओवर में 168/6 तक ही पहुंच पाई। इस तरह अमेरिका ने मैच 31 रन से जीत लिया और टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अपनी क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रखा।अली खान ने आखिरी ओवर में कसी हुई गेंदबाजी की, जिसमें एक विकेट भी लिया। जेजे स्मिट बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में स्लोअर बाउंसर पर विकेटकीपर के हाथों कैच हो गए। लगातार तीसरी हार के साथ नामीबिया अब टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

ग्रीन रिटायर्ड आउट

18वें ओवर की आखिरी गेंद पर जेन ग्रीन ने रिवर्स लैप खेलते हुए शॉर्ट थर्ड मैन के ऊपर से चौका बटोरा। गेंद लेग साइड की ओर फुलटॉस थी, जिस पर उन्होंने पहले से पोजिशन बनाकर शॉट खेला और गेंद इनफील्ड के ऊपर से निकल गई।
हालांकि शॉट के तुरंत बाद ग्रीन रिटायर्ड आउट हो गए। उन्होंने 13 गेंदों में 18 रन बनाए, जिसमें 2 चौके शामिल रहे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11
अमेरिका:- मोनांक पटेल (कप्तान), शयन जहांगीर (विकेटकीपर), साईतेजा मुक्कामल्ला, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, शुभम रंजने, हरमीत सिंह, मोहम्मद मोहसिन, शैडली वान शाल्कविक, सौरव नेत्रवलकर और अली खान।
नामीबिया:- लॉरेन स्टीनकैंप, जॉन फ्राइलिंक, निकोल लोफ्टी-ईटन, जेरार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, जेन ग्रीन, डिलन लाइचर, विलेम माईबर्ग, रूबेन ट्रम्पलमैन, मालन क्रूगर, बर्नार्ड शोल्ट्ज और मैक्स हींजो।

अंतिम समय में प्रवेश करने वाले एम सुरेशकुमार ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली,15 फरवरी 2026। अंतिम समय में प्रवेश पाने वाले 26 वर्षीय एम सुरेशकुमार ने रविवार को डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में पुरुष एकल के पहले क्वालीफाइंग दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो कार्बनी पर पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल करके एटीपी दिल्ली ओपन 2026 के पहले दिन को रोशन कर दिया। दिल्ली लॉन टेनिस एसोसिएशन (डीएलटीए) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पहला सेट गंवाने के बाद, सुरेशकुमार ने वापसी करते हुए 19 वर्षीय कार्बोनी को एक घंटे और 53 मिनट में 4-6, 6-2, 6-3 से हराकर क्लीन स्वीप कर दिया दिन में बाद में, क्वालीफाइंग में वाइल्ड कार्ड के रूप में शुरुआत करने वाले भारतीय खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने चीनी ताइपे के त्सुंग-हाओ हुआंग को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। एटीपी चैलेंजर 75 सीरीज़ के तहत, दिल्ली ओपन में एकल और युगल विजेताओं को 75-75 रैंकिंग अंक, युगल उपविजेता को 50 अंक और एकल उपविजेता को 44 अंक दिए जाएंगे। एकल विजेता को 17,000 डॉलर और उपविजेता को 9,600 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। युगल विजेताओं को 4,980 अमेरिकी डॉलर और उपविजेताओं को 2,880 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। मुझे पक्का नहीं था कि मैं दिल्ली आ पाऊंगा या नहीं, क्योंकि मुझे आखिरी समय में ही एंट्री मिली थी। सच कहूं तो, मैं पूरी तरह तैयार नहीं था, क्योंकि यह तय नहीं था कि मैं खेलूंगा या नहीं। आज के मैच से पहले मेरी कोई खास उम्मीदें नहीं थीं, क्योंकि मुझे पता था कि वह एक अच्छा और युवा खिलाड़ी है। मैं बस अच्छा टेनिस खेलने के इरादे से मैदान में उतरा था,सुरेशकुमार ने अपनी जीत के बाद कहा। सुरेशकुमार ने शानदार वापसी करते हुए मैच का रुख पलट दिया।

इवा जोविक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में टॉप 20 में पहुंचीं,दुबई ड्यूटी फ्री में डेब्यू

कैलिफ़ोर्निया,15 फरवरी 2026। अमेरिकी टीनेजर इवा जोविक के लिए चीज़ें तेज़ी से बदल रही हैं। पिछले साल इसी समय, वह दुनिया में 167वें नंबर पर थीं और कैनकन में चैलेंजर के शुरुआती राउंड में ही हार गई थीं। आज, वह वर्ल्ड रैंकिंग में अपने करियर की सबसे अच्छी 20वीं जगह पर हैं, उनके नाम एक डब्ल्यूटीए टाइटल (पिछले साल ग्वाडलहारा में) है और पिछले महीने वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफ़ाइनल में पहुँची थीं। 18 साल की उम्र में, कैलिफ़ोर्निया की यह खिलाड़ी 1998 में वीनस विलियम्स के बाद मेलबर्न पार्क में आखिरी-आठ स्टेज तक पहुँचने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी महिला बन गईं। 2026 की शुरुआत 11-3 के शानदार जीत-हार के रिकॉर्ड (ऑकलैंड में सेमीफ़ाइनल, होबार्ट में फ़ाइनल, ऑस्ट्रेलियन ओपन में क्वार्टर फ़ाइनल) के साथ करने के बाद, जोविक ने अबू धाबी और दोहा में डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया ताकि कुछ ज़रूरी ब्रेक ले सकें और अब वह दुबई में दुबई ड्यूटी फ़्री टेनिस चैंपियनशिप में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। हमने शनिवार को जोविक से दुबई में उनके पहले मैच से पहले बात की, जिसमें वह दुनिया की पूर्व नंबर 3 मारिया सककारी के ख़िलाफ़ खेलेंगी। इन टूर्नामेंट में आने का आपके लिए क्या मतलब है, जिन्हें आप शायद पहले दुनिया के इस हिस्से में आते हुए देखते थे? मेरा मतलब है, यह बहुत खास है। ज़ाहिर है, अपना पहला डब्ल्यूटीए इवेंट खेलना और उसका अनुभव लेना एक बात है, लेकिन हर हफ़्ते टूर्नामेंट में होना और अपनी रैंकिंग ऐसी जगह पर रखना जहाँ आप पूरा कैलेंडर खेल सकें, यह एक अलग बात है।

भारत ने डीएलएस मेथड से ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराया

सिडनी ,15 फरवरी 2026। तेज गेंदबाज़ी करने वाली ऑलराउंडर अरुंधति रेड्डी ने अपने करियर का सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 4-22 का प्रदर्शन किया, जिससे भारत ने रविवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर बारिश के कारण खेल रुक जाने के बाद मल्टी-फॉर्मेट सीरीज़ के पहले गेम में डीएलएस मेथड से ऑस्ट्रेलिया पर 21 रन से जीत हासिल की। 134 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत ने 5.1 ओवर में 50/1 रन बना लिए थे, लेकिन भारी बारिश के कारण खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। खेल फिर से शुरू नहीं हो सका, इसलिए मेहमान टीम को विजेता घोषित कर दिया गया और उसने मल्टी-फॉर्मेट सीरीज़ में 2-0 की बढ़त बना ली।

अरुंधति के चार विकेट की मदद से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 18 ओवर में सिर्फ़ 133 रन पर आउट कर दिया। जॉर्जिया वेयरहम ने 19 गेंदों पर 30 रन बनाकर टॉप स्कोर किया, जबकि फोएबे लिचफील्ड (26) और एलिस पेरी (20) ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पाईं। एलिस और फोएबे के बीच 41 रन की पार्टनरशिप के बाद ऑस्ट्रेलिया की इनिंग लड़खड़ा गई, जिसके बाद मेज़बान टीम ने 12 रन पर पांच विकेट गंवा दिए, जिससे भारत मैच पर पूरी तरह से कंट्रोल में आ गया। रेणुका सिंह ठाकुर और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा और क्रांति गौड़ ने एक-एक विकेट लिया। ओपनर शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने सिर्फ़ पांच ओवर में 50 रन जोड़कर भारत को शानदार शुरुआत दी। हालांकि शैफाली ऑस्ट्रेलिया की कप्तान के तौर पर सोफी मोलिनक्स की पहली ही गेंद पर 11 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन बारिश के दखल देने पर भारत डीएलएस कैलकुलेशन के हिसाब से आगे रहा और आखिरकार जीत हासिल कर ली।

समाज के संगठित और जागरूक होने से विकास को मिलती है मजबूती : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर,15 फरवरी 2026। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कोसमनारा धाम में आयोजित स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि समाज जब संगठित और जागरूक होता है,तब विकास को वास्तविक मजबूती मिलती है। साहू समाज की एकजुटता, शिक्षा और समर्पण प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 25 लाख से अधिक किसानों को 3100 प्रति क्विंटल की दर से अंतर राशि होली से पूर्व एकमुश्त प्रदान की जाएगी। लगभग 10,000 करोड़ की राशि सीधे किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्नदाता भाइयों-बहनों की समृद्धि ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार किसानों के परिश्रम का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 सत्यनारायण बाबा जी एवं भक्त माता कर्मा-कृष्ण मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की तथा महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 16 फरवरी 1998 से पूज्य सत्यनारायण बाबा खुले आकाश के नीचे निरंतर तपस्या में लीन हैं। तीनों ऋतुओं में 28 वर्षों से अधिक समय तक साधना करना अत्यंत अद्वितीय और प्रेरणादायक है। यह धाम सामाजिक समरसता, आस्था और भाईचारे का सशक्त प्रतीक बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा जी के आशीर्वाद से उन्हें चार बार सांसद रहने का अवसर मिला और आज मुख्यमंत्री के रूप में सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बाबा भोलेनाथ एवं बाबा सत्यनारायण से प्रदेशवासियों पर निरंतर कृपा बनाए रखने की कामना की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कोसमनारा स्थित कर्मा साहू सामुदायिक भवन के ऊपर अतिरिक्त निर्माण के लिए 50 लाख की घोषणा की। साथ ही उन्होंने श्री रामलला दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेशवासियों को अयोध्या सहित देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा का अवसर मिल रहा है। समारोह में समाज कल्याण में उत्कृष्ट योगदान के लिए त्रिभुवन साहू, भरत लाल साहू, कपिल नाथ,अरुणा साहू,मनोज साहू एवं वेदराम साहू को सम्मानित किया गया। कोरबा जिला साहू संघ की पत्रिका तथा बाबा सत्यनारायण चालीसा का विमोचन भी किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साहू समाज की एकजुटता विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कोसमनारा धाम के विकास हेतु लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के प्रस्तावित कार्यों की जानकारी दी। साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने बिलासपुर संभाग के सात जिलों के नव निर्वाचित जिला साहू संघ पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया,कसडोल विधायक संदीपसाहू,जैजैपुर विधायक श्री बालेश्वर साहू,नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान,पूर्व सांसद श्री लखनलाल साहू,तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, डिग्रीलाल साहू सहित बिलासपुर संभाग के सात जिलों के नव निर्वाचित पदाधिकारी,बाबा सत्यनारायण की माता हंसमती देवी,संभागायुक्त श्री सुनील जैन,आईजी रामगोपाल गर्ग,कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह सहित अन्य अधिकारीगण स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

शिक्षक भर्ती के नए नियमों का विरोध शुरू

टीचर्स एसोसिएशन बोला...अनुभवी शिक्षक नजरअंदाज 2 लाख लोगों का भविष्य बिना सुझाव तय किया

रायपुर,15 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती नियम 13 फरवरी 2026 पर कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि,नए नियमों में विभाग में वर्षों से काम कर रहे अनुभवी शिक्षकों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। सीधी भर्ती को जरूरत से ज्यादा प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री, स्कूल शिक्षा सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय को नियमों में संशोधन के लिए सुझाव भेजे गए हैं। एसोसिएशन का कहना है कि लगभग 2 लाख कर्मचारियों से जुड़े नियम लागू करने से पहले न सुझाव लिए गए,न दावा-आपत्ति मंगाई गई। अधिकतर विभागों में अनुभवी कर्मचारियों को पदोन्नति दी जाती है,लेकिन शिक्षा विभाग में सीधी भर्ती को तरजीह दी गई। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षक पदोन्नति से वंचित हो जाएंगे।

एलबी संवर्ग को खत्म करने पर सबसे ज्यादा नाराजगी : 13 फरवरी 2026 को प्रकाशित राजपत्र में एल बी संवर्ग का पदोन्नति कोटा खत्म कर दिया गया है। अब केवल ई और टी संवर्ग से ही पदोन्नति का प्रावधान रखा गया है। इससे एलबी संवर्ग के शिक्षकों की तत्काल पदोन्नति रुक जाएगी। एसोसिएशन का कहना है कि पहले एलबी अलग कैडर था, इसलिए नियमित पदोन्नति मिलती थी, लेकिन अब उसे व्यवहारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है। दरअसल,प्रधान पाठक, शिक्षक और अन्य पदों पर एलबी संवर्ग का नाम ही हटा दिया गया। ई और टी संवर्ग की एकीकृत वरिष्ठता सूची बनेगी।

आम आदमी पार्टी ने शुरू की किसान न्याय यात्रा

धान खरीदी,खाद की कमी समेत कई मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में किसानों तक जा रही पार्टी

रायपुर,15 फरवरी 2026। आम आदमी पार्टी ने प्रदेशभर में 'किसान न्याय यात्रा' की शुरुआत कर दी है। पार्टी धान खरीदी, खाद की कमी और बढ़ती लागत जैसे मुद्दों को लेकर विधानसभा स्तर पर किसानों के बीच पहुंच रही है।क्का आरोप है कि, 7 लाख से अधिक किसान इस सीजन में अपना धान नहीं बेच पाए। पार्टी ने दावा किया कि करीब 23 लाख टन धान, जिसकी कीमत लगभग 7130 करोड़ रुपए है, जिसे सरकार ने नहीं खरीदा। पार्टी नेताओं के मुताबिक, 2.5 लाख पंजीकृत किसानों से सीधे धान नहीं लिया गया, जबकि एग्रीस्टेक पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों और रकबा समर्पण की प्रक्रिया के कारण 5 लाख से ज्यादा किसान बिक्री से वंचित रह गए। उनका कहना है कि सरकार ने शुरुआत से ही सीमित खरीदी की नीति अपनाई, जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ा।क्क ने कहा कि, धान नहीं बिकने से किसान कर्ज चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। कई परिवारों का सालभर का खर्च धान की फसल पर निर्भर रहता है। पार्टी का आरोप है कि टोकन और भुगतान की समस्या से परेशान होकर कई किसानों ने आत्महत्या का प्रयास किया, जिनमें दो की मौत हो चुकी है। पार्टी ने खाद की कीमतों और मात्रा में बदलाव को भी मुद्दा बनाया है। नेताओं का कहना है कि पोटाश के दाम बढ़ाए गए हैं। पहले 50 किलो की यूरिया बोरी को 45 किलो और अब 40 किलो कर दिया गया लेकिन कीमत 267 रुपए ही रखी गई है।

बिलासपुर में पाकिस्तान की हेरोइन की सप्लाई

ड्रोन से पंजाब पहुंचती थी खेप,बॉर्डर से 200 मीटर दूर रह रहा था मेन सप्लायर,अरेस्ट

बिलासपुर,15 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 34 ग्राम हेरोइन बरामदगी मामले में पुलिस ने पंजाब के तरनतारन जिले से मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। जांच में मिले इनपुट के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई। आरोपी को जिस गांव से पकड़ा गया, वह भारत-पाक सीमा से महज 200 मीटर दूर है। जांच में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब में नशीले पदार्थ भेजे जाते हैं। इसके बाद वहां से इन्हें अलग-अलग राज्यों में सप्लाई किया जाता है। पुलिस का मानना है कि इसी नेटवर्क के जरिए बिलासपुर तक हेरोइन पहुंचाई जा रही थी। फिलहाल, मुख्य सप्लायर को पंजाब से ट्रांजिट रिमांड पर बिलासपुर लाया जा रहा है। यहां उससे पूछताछ की जाएगी। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। दरअसल, 1 फरवरी को चकरभाठा थाना पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से कुल 34 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मोहित हिंदूजा (32), करन दीप सिंह (29) और आर. रजिंदर कुमार (35) शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया था कि करन दीप सिंह दूसरे राज्य से हेरोइन लाकर मोहित हिंदूजा को देता था। इसके बाद वह अपने साथी रजिंदर कुमार के साथ मिलकर हेरोइन को ऊंचे दामों पर बेचता था। तीनों को जेल भेजकर पुलिस ने जांच तेज कर दी थी। जांच के दौरान पुलिस को हेरोइन सप्लाई चेन का अहम सुराग मिला।

इसके बाद पुलिस टीम पंजाब के तरनतारन जिले पहुंची और खेमकरण थाना क्षेत्र से मुख्य तस्कर को गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान बाला उर्फ बलराम सिंह सनियारे (63) के रूप में हुई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)